सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजनतो हो जाएं सावधान पेज: 7

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निमार्ताओं को कहा माफिया पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 82 | बुधवार 24 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

कानून का 'विलयन' या बीजेपी का ऑपरेशन लोटस? गोवा मामला का फैसला बदलेगा दलबदल का पूरा खेल

बंगाल में ममता बनर्जी के हाथ से तृणमूल कांग्रेस का कंट्रोल निकलना, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना (UBT) के नौ में से छह सांसदों का एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होना, दिल्ली और पंजाब में आप के सात सांसदों का बीजेपी में जाना भारत के लगभग सभी इलाकों में एक साथ दल-बदल हो रहा है। दल-बदल विरोधी कानून से कौन बचता है, यह तय करने वाला सबसे अहम मामला गोवा का है, जो देश की सबसे बड़ी अदालत में पेंडिंग है। विपक्षी पार्टियों में हो रही इन उथल-पुथल और नेताओं के पाला बदलकर PM नरेंद्र मोदी की BJP के नेतृत्व वाले NDA में शामिल होने के साथ ही संवैधानिक कानून से जुड़ा एक ही सवाल उठता है। वह यह है कि संविधान की दसवीं अनुसूची में दिए गए दलबदल विरोधी कानून में क्या अपवाद हैं?

ब्रिक्स एनएसए बैठक में अजीत डोभाल ने ऐसा क्या कह दिया जो दुनिया रह गयी हैरान, चीन की अकड़ भी हो गयी ढीली

नई दिल्ली एजेंसी: दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की 16वीं बैठक ऐसे समय में हो रही है जब दुनिया युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, साइबर हमलों और बदलती वैश्विक शक्ति संरचना के बीच नई दिशा तलाश रही है। भारत की अध्यक्षता में हुई इस अहम बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने साफ संकेत दिया कि ब्रिक्स अब वैश्विक सुरक्षा और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था का निर्णायक केंद्र बनता जा रहा है। बैठक का सबसे बड़ा संदेश पश्चिम एशिया को लेकर सामने आया। डोभाल ने अमेरिका और ईरान के बीच हुए समझौता ज्ञापन का स्वागत करते हुए सतर्क आशावाद जताया। उन्होंने कहा कि यह समझौता यदि सफल रहता है तो न केवल पश्चिम एशिया में स्थिरता लौटेगी, बल्कि

वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार को भी नई मजबूती मिलेगी। खास तौर पर होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने को भारत ने बेहद सकारात्मक विकास बताया। यह वही समुद्री मार्ग है, जहां तनाव बढ़ने से दुनिया भर की तेल आपूर्ति और व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती रही हैं। डोभाल ने स्पष्ट कहा कि इस समझौते से उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधाएं कम होंगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटें दूर होंगी और समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता आर्थिक समृद्धि को नई रफ्तार देगी। देखा जाये तो भारत का यह रुख इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया इस समय ऊर्जा संकट, महंगाई और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है। ऐसे समय में ब्रिक्स मंच से भारत का यह संदेश ग्लोबल साउथ की चिंताओं को मजबूती से सामने रखता है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने अपने

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटें दूर होंगी.........

अजित डोभाल ने स्पष्ट कहा कि इस समझौते से उर्वरक, रसायन और अन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधाएं कम होंगी। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटें दूर होंगी और समुद्री आवाजाही की स्वतंत्रता आर्थिक समृद्धि को नई रफ्तार देगी।

संबोधन में दुनिया के सामने खड़े गैर-पारंपरिक सुरक्षा खतरों पर भी गंभीर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि तेजी से डिजिटल होती दुनिया में साइबर हमले, छद्म आतंकवाद और विघटनकारी तकनीकें पारंपरिक सुरक्षा व्यवस्थाओं को चुनौती दे रही हैं। आतंकवाद अब सीमाओं में बंधा नहीं है और साइबर खतरे देशों की अर्थव्यवस्था, रक्षा प्रणाली और नागरिक ढांचे को सीधे प्रभावित कर रहे हैं। ऐसे में केवल पारंपरिक सैन्य उपाय पर्याप्त नहीं रह गए हैं। ब्रिक्स बैठक में आतंकवाद विरोधी सहयोग और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी सुरक्षा पर बने संयुक्त कार्य समूहों की रिपोर्ट पर भी चर्चा हुई। भारत ने स्पष्ट किया कि उभरते खतरों से निपटने के लिए सदस्य देशों के बीच बेहतर समन्वय, खुफिया साझेदारी और तकनीकी सहयोग जरूरी है। देखा जाये तो यह संदेश इसलिए भी अहम है क्योंकि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल जासूसी और साइबर युद्ध अब वैश्विक शक्ति संघर्ष के नए हथियार बन चुके हैं। डोभाल ने बहुपक्षवाद के कमजोर पड़ने पर चिंता जताते हुए कहा कि दुनिया की मौजूदा संस्थाएं तेजी से बदलते संकटों का प्रभावी समाधान देने में असफल साबित हो रही हैं। उन्होंने ब्रिक्स को शांति, विकास, प्रगति और सहयोग में विश्वास रखने वाले देशों का ह्वविशेष गठबंधनह्व बताया। भारत ने दो टूक कहा कि ब्रिक्स का उद्देश्य केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार और ग्लोबल साउथ की आवाज को मजबूत करना भी है। इस बैठक की एक और बड़ी विशेषता भारत की सक्रिय कूटनीतिक पहल रही। ब्रिक्स बैठक के इतर भारत ने कई देशों के साथ द्विपक्षीय वाताओं के जरिए अपने रणनीतिक रिश्तों को नई दिशा देने का प्रयास किया।

नीट विवाद पर धर्मेंद्र प्रधान का बड़ा हमला, बोले- राहुल गांधी 'टुकड़े-टुकड़े' ताकतों के साथ

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पेपर लीक विवाद के बीच नीट में बड़े बदलावों की योजना बताते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अब तक का सबसे तीखा हमला किया है। इंटरव्यू में प्रधान ने कहा कि अगले साल से नीट के कंप्यूटर-बेस्ड फॉर्मेट में बदलने की संभावना है। उन्होंने "पेपर माफि या" के खिलाफ सख़्त कार्रवाई का वादा किया और राहुल गांधी पर राजनीतिक फायदे के लिए छात्रों के बीच डर फैलाने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि विपक्ष के नेता के तौर पर राहुल गांधी को सवाल पूछने का पूरा अधिकार है। लेकिन उन्हें छात्रों के मन में बेवजह डर पैदा नहीं करना चाहिए। उन्होंने परीक्षा सुधारों, छात्रों की चिंताओं और विरोध प्रदर्शनों पर भी बात की। जंतर-मंतर

पर विरोध प्रदर्शन कर रहे कुछ समूहों का जिक्र करते हुए प्रधान ने कहा, "जो लोग देश को टुकड़े-टुकड़े करना चाहते हैं, वही लोग आज जंतर-मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। (वही लोग जो देश को टुकड़ों में बांटना चाहते हैं, आज जंतर-मंतर पर ढोल बजा रहे हैं। क्या वहां कोई छात्र भी है?) कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) पेपर लीक और परीक्षा अनियमितताओं को लेकर धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर कई दिनों और रातों से जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रही है। मंत्री ने नागपुर के उस छात्र से जुड़े विवाद पर सबसे कड़ी आलोचना की, जिसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी में आवंटित किया गया था। प्रधान ने दावा किया कि छात्र ने पोर्टल के जरिए खुद अबू धाबी को चुना था और यह पसंद कई बार रिकॉर्ड की गई थी। उन्होंने कहा कि बाद में एनटीए ने परिवार से संपर्क किया और छात्र को नागपुर से परीक्षा देने का मौका भी दिया। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह सब साफ होने के बाद भी, राहुल गांधी ने इस मामले पर एक लंबा मैसेज पोस्ट किया। अगर राहुल गांधी में जरा भी नैतिकता और जवाबदेही बची है, तो उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। प्रधान ने आगे आरोप लगाया कि गांधी किसी विवाद के शुरू होने का इंतजार कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि वह बस इस बात का इंतजार कर रहे थे कि नीट में कुछ गड़बड़ हो ताकि वह उस पर राजनीति शुरू कर सकें। उन्होंने कहा कि सारी हदें तब पार हो गईं जब कर्नाटक में उनकी अपनी पार्टी की एक राजनीतिक रैली ने हंगामा खड़ा कर दिया।

अपंजीकृत कीटनाशक युक्त अगरबत्तियों पर प्रतिबंध, स्वास्थ्य के लिए घातक

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन कृषि अनुभाग-2 के पत्र संख्या 2055714/12-2099/191/2026 दिनांक 02.06.2026 एवं अपर कृषि निदेशक (कृषि रक्षा) उ०प्र० कृषि भवन, लखनऊ के पत्र संख्या 547/की अधि0/HICA सन्दर्भ/2026-27 दिनांक 11.06.2026 के तहत जनपद में अपंजीकृत कीटनाशक युक्त अगरबत्तियों के क्रय-विक्रय पर रोक लगाई गई है। जिला कृषि विभाग ने नागरिकों को अवगत कराया है कि Sweet Night, Dinosaur, Shree Denque Killer EUa Comfort ब्रांड नाम से बिक रही अगरबत्तियों

मनोज कुमार जिला कृषि रक्षा अधिकारी अपनी टीम के साथ निरीक्षण करते हुए

में अपंजीकृत कीटनाशक Dimefluthrin एवं Meperfluthrin का उपयोग हो रहा है। यह कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियमावली 1971 की धारा 9(3) का स्पष्ट उल्लंघन है। इन अगरबत्तियों के लगातार संपर्क में रहने से मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इससे फेफड़े, मस्तिष्क, किडनी, पेट और हृदय से संबंधित गंभीर बीमारियों की आशंका बढ़ सकती है। विभाग ने जनपदवासियों से अपील की है कि Sweet Night, Dinosaur, Shree Denque Killer एवं Comfort ब्रांड की अगरबत्तियों का प्रयोग कदापि न करें। साथ ही जनपद के कीटनाशक प्रतिष्ठानों, पेस्ट कंट्रोल, हाउस होल्ड व किराने की दुकानों के विक्रेता/मालिकों को निर्देशित किया गया है

कि उपरोक्त उत्पादों का क्रय-विक्रय न करें। निरीक्षण के दौरान उक्त उत्पादों का क्रय-विक्रय करते पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कीटनाशी अधिनियम 1968 एवं नियमावली 1971 के अंतर्गत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

सीएम विजय ने पेरियार की नास्तिकता से खींची लकीर, बोले- हमारी पार्टी ईश्वर में विश्वास रखती है

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि हालांकि उनकी पार्टी ने द्रविड़ राजनीति के जनक माने जाने वाले पेरियार ई.वी. रामासामी के व्यापक सामाजिक सिद्धांतों को अपनाया है, लेकिन वे नास्तिकता और धार्मिक मान्यताओं को नकारे जाने के उनके विचारों से सहमत नहीं हैं। पेरियार की तर्कवादी सोच और अपनी पार्टी के रुख के बीच अंतर बताते हुए विजय ने कहा कि हमने धार्मिक मान्यताओं को नकारे जाने के पेरियार के विचार को स्वीकार नहीं किया, लेकिन उनके व्यापक सिद्धांतों को पूरी तरह अपनाया। हमने पेरियार की शिक्षाओं को तो अपनाया, लेकिन यह भी स्पष्ट किया कि हम ईश्वर में विश्वास रखते हैं। हमने हमेशा यह साफ किया है कि हम किसी की विचारधारा के विरोधी नहीं हैं। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलते हुए विजय ने कहा कि उनकी सरकार पेरियार, डॉ.

बी.आर. अंबेडकर और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री के. कामराज समेत कई विचारधाराओं से प्रेरणा लेती है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने डॉ. अंबेडकर के समान अवसर और सामाजिक न्याय के आदर्शों को अपनाया है और कामराज के ईमानदार प्रशासन के मॉडल को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत बनाया है। उन्होंने कहा, "हमने डॉ. अंबेडकर के समान अवसर और सामाजिक न्याय के आदर्शों को स्वीकार किया। हमने कामराज के ईमानदार प्रशासन के मॉडल को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत बनाया। विधानसभा में अपने भाषण में, विजय ने अपनी पार्टी के राजनीतिक सफर का बचाव किया, 2026 के विधानसभा चुनाव में इसके प्रदर्शन पर जोर दिया और कहा कि बिना किसी गठबंधन के चुनाव लड़ने के बाद भी यह एक बड़ी ताकत बनकर उभरी है। उन्होंने अपनी पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की, अपने प्रशासन की तुलना सी.एन. अन्नादुरई और एम.जी. रामचंद्रन के नेतृत्व वाले प्रशासन से की, पिछली सरकार पर "पार्टी फंड" के नाम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया जिससे DMK ने सदन से वॉकआउट किया

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- 'अभी और भी झटके लगेंगे'

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य ह्यजोर का झटका लगने की वजह से अपना मानसिक संतुलन खो बैठे हैं और उन्हें और भी झटके लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है। विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है। उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, सवालों के जवाब देने और ध्यानाकर्षण प्रस्तावों के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, मैं खुद सदन में आता हूं

अयोध्या राम मंदिर दान में हेराफेरी? एसआईटी ने यूपी सरकार को सौंपी अपनी पहली जांच रिपोर्ट

अयोध्या एजेंसी: अयोध्या राम मंदिर में दान से जुड़े विवाद का फोकस अब मंदिर के कामकाज की जांच और प्रशासनिक देखरेख पर आ गया है। ताजा घटनाक्रम में, अयोध्या के ज़िला मजिस्ट्रेट शशांक त्रिपाठी को मंदिर से जुड़े कामों की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है, जबकि अधिकारी मंदिर को मिले दान से जुड़े आरोपों की जांच कर रहे हैं। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कथित वित्तीय गड़बड़ियों की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने उत्तर प्रदेश सरकार को अपनी शुरूआती रिपोर्ट सौंपी है। यह रिपोर्ट लखनऊ के डिविजनल कमिश्नर विजय विश्वास पंत ने अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) संजय प्रसाद को सौंपी। अधिकारियों ने साफ किया है कि जांच अभी जारी है और और सबूत जुटाए जा रहे हैं। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को मिले दान के हिसाब-किताब और उसके प्रबंधन को लेकर लगे आरोपों के बाद, उत्तर प्रदेश सरकार ने 13 जून को एसआईटी का गठन किया था।

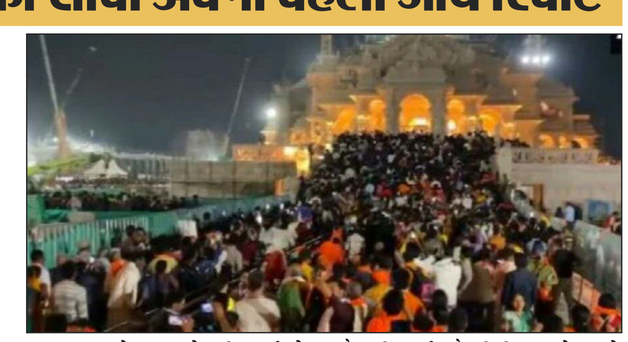

इस जांच में दान के रिकॉर्ड में गड़बड़ी और पैसे के संभावित गलत इस्तेमाल के दावों की पड़ताल की जा रही है। इस बीच, सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है, जिसमें ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की गई है। याचिका में प्राथमिकी दर्ज करने और कथित तौर पर गायब हुए फंड, वित्तीय अनियमितताओं और प्रशासनिक खामियों की जांच के लिए सीबीआई की अगुवाई वाली SIT बनाने की मांग की गई है। याचिकाकताओं ने मंदिर के फाइनेंस से जुड़े सभी डोनेशन रजिस्टर, ऑडिट रिपोर्ट, सीसीटीवी फुटेज, बैंक रिकॉर्ड और डिजिटल डेटा को सुरक्षित रखने के लिए निर्देश देने की भी मांग की है। उनका तर्क है कि लाखों भक्तों द्वारा दिए गए डोनेशन के मैनेजमेंट में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और लोगों का भरोसा बनाए रखने के लिए रिकॉर्ड को सुरक्षित रखना जरूरी है। याचिका में राज्य-स्तर पर चल रही एसआईटी जांच के दायरे पर भी सवाल उठाए गए हैं और कहा गया है कि यह जांच बिना किसी औपचारिक FIR के दर्ज किए ही शुरू हो गई थी। याचिका के अनुसार, तथ्यों का पता लगाने और यह तय करने के लिए कि क्या कोई गड़बड़ी हुई है

बिहार की राजनीति में 'खलनायक' पर संग्राम, सम्राट चौधरी के बयान पर राजद का तीखा पलटवार

पटना एजेंसी: बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को सबसे बड़ा खलनायक बताए जाने पर विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने मंगलवार को तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की।चौधरी ने एक दिन पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की थी। उन्होंने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के मुद्दे पर कटाक्ष करते हुए कहा था, सबसे बड़ा खलनायक, जिससे सभी डरते हैं, अब खुद डर में जी रहा है। यह इस बात का प्रमाण है कि बिहार में अब सुशासन की सरकार है। राजद के राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोज झा ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में चौधरी को लालू जी की पाठशाला का उत्पाद बताते हुए कहा कि भाजपा में शामिल होने के बाद वह बिना जनादेश वाले मुख्यमंत्री बन गए हैं। झा ने कहा, हम सार्वजनिक भाषणों में की मयार्दा बनाए रखते हैं। हम खलनायकों को भी खलनायक नहीं कहते और यहां इस धरती के सबसे बड़े नायक को खलनायक कहा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सम्राट चौधरी लालू प्रसाद

की उसी पाठशाला के छात्र हैं लेकिन उन्होंने वहां की शिक्षा को आत्मसात नहीं किया और अब पूरी तरह अलग विचारधारा वाले राजनीतिक दल का हिस्सा बन गए हैं। राजद की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने मुख्यमंत्री के बयान को अनावश्यक और अपरिपक्व बताया। उन्होंने कहा, लोग लालू प्रसाद को

बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा लालू प्रसाद को 'खलनायक' कहे जाने पर राजनीतिक विवाद छिड़ गया है, जिस पर राजद ने तीखा पलटवार किया है। राजद ने चौधरी को 'लालू की पाठशाला का उत्पाद' बताते हुए

एक ऐसे संघर्षशील नेता के रूप में देखते हैं, जिन्होंने सशक्तिकरण आधारित कल्याणकारी राजनीति के बल पर लोगों के दिलों में जगह बनाई है। मंडल ने दावा किया कि इस प्रकार की टिप्पणी से पिछड़े वर्गों के लोग आहत हुए हैं। उन्होंने लालू प्रसाद और राबड़ी देवी की सुरक्षा व्यवस्था में कटौती किए जाने के फैसले की भी आलोचना की। मंडल ने कहा कि सरकारी आवास आवंटन और सुरक्षा व्यवस्था के लिए निर्धारित मानक हैं, जिनका उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, एक ऐसे आवास की सुरक्षा कम कर दी गई है, जहां दो पूर्व मुख्यमंत्री रहते हैं और जिनमें से एक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं जबकि भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ऐसे लोगों की सुरक्षा बढ़ा दी है जो विधायक या विधान परिषद के सदस्य भी नहीं हैं।

लालू प्रसाद व राबड़ी देवी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और राबड़ी देवी वर्तमान में बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष हैं। मंडल ने कहा कि लालू प्रसाद का परिवार सुरक्षा की भीख नहीं मांग रहा बल्कि वह उसका अधिकार रखता है। वहीं मनोज झा ने कहा, सरकार ने सैकड़ों ऐसे लोगों को सुरक्षा दे रखी है, जिनके आसपास मक्खियां भी नहीं भिनभिनातीं।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

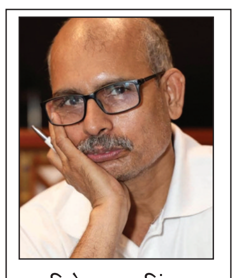

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चर्चाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चर्चाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चर्चाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चर्चाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चर्चाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवालः आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

युद्धविराम से आगेः क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

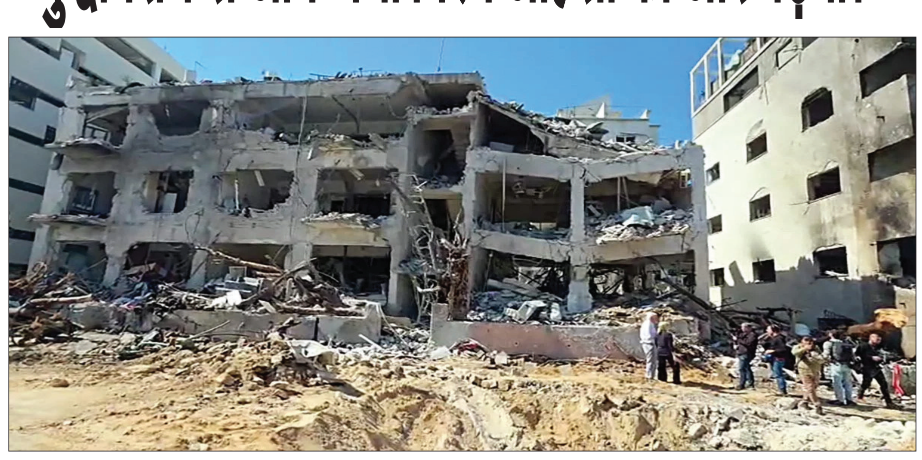

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देकर किसानों की आय वृद्धि में जुटा गन्ना विकास विभाग

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में गन्ना विकास विभाग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने तथा गन्ना उत्पादन को अधिक लाभकारी बनाने के उद्देश्य से आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। विभाग द्वारा उच्च उत्पादकता वाली गन्ना प्रजातियों, ट्रेंच विधि, पेयर्ड रोपण, सहफसली खेती, संतुलित पोषण प्रबंधन एवं जल संरक्षण तकनीकों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। साथ ही किसानों को समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है। पेराई सत्र 2025-26 में जनपद की चीनी मिलों द्वारा कुल ड्ड1561.50 करोड़ मूल्य का गन्ना क्रय किया गया, जिसके सापेक्ष अब तक ड्ड1502.77 करोड़ का भुगतान किसानों के खातों में किया जा चुका है। इस प्रकार जनपद में लगभग 96 प्रतिशत गन्ना मूल्य भुगतान सम्पन्न हो चुका है तथा अवशेष भुगतान भी शीघ्र कराया जाएगा। गन्ना विकास विभाग द्वारा किसानों की फसलों की नियमित निगरानी की जा रही है। गन्ना फसल को विभिन्न रोगों एवं कीटों से सुरक्षित रखने हेतु कृषकों को समय-समय पर जागरूक किया जा रहा है तथा आवश्यक तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराया जा रहा है। विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी क्षेत्र भ्रमण कर किसानों को रोग एवं कीट नियंत्रण, संतुलित उर्वरक प्रयोग तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी प्रदान कर रहे हैं। वर्तमान में जनपद में गन्ना सर्वे कार्य प्रगति पर है, जिसमें लगभग 87 प्रतिशत कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष कार्य भी निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया जाएगा, जिससे किसानों को पारदर्शी एवं त्रुटिरहित गन्ना पर्ची व्यवस्था का लाभ प्राप्त हो सके। जनपद की तीनों सहकारी गन्ना विकास समितियों में स्थापित फार्म मशीनरी बैंक किसानों के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहे हैं। इनके माध्यम से कृषि यंत्र रियायती दरों पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे खेती की लागत में कमी आने के साथ-साथ आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा मिल रहा है। जिला गन्ना अधिकारी, अमरोहा ने बताया कि जनपद में इस वर्ष गन्ने की फसल की स्थिति अत्यंत संतोषजनक एवं उत्साहवर्धक है। विभाग द्वारा फसल की सतत निगरानी की जा रही है तथा रोग एवं कीट नियंत्रण हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को समय से तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे फसल स्वस्थ एवं उत्पादक बनी हुई है। साथ ही लगभग 96 प्रतिशत गन्ना मूल्य भुगतान कराया जा चुका है तथा शेष भुगतान भी शीघ्र किसानों के खातों में पहुंचाया जाएगा। उन्होंने किसानों से विभाग द्वारा समय-समय पर जारी कृषि सलाह का पालन करने तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल विभागीय अधिकारियों को देने का आग्रह किया।

भाकियू (शंकर) ने अपनी समस्याओं को लेकर एसडीएम से की मुलाकात

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा में भारतीय किसान यूनियन शंकर के कार्यकताओं ने मंगलवार को अपनी समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों को लेकर एसडीएम शैलेश कुमार दुबे से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान किसानों ने 18 जून को संगठन की बैठक में उठाए गए सवालों को लेकर चर्चा की गई। इस चर्चा में धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने उनकी समस्याओं के जल्द निस्तारण का आश्वासन दिया। बता दें कि कार्यकताओं ने एसडीएम के समक्ष क्षेत्र की बिजली, पानी, राजस्व और किसानों से जुड़ी कई लंबित समस्याओं को प्रमुखता से रखा।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने यूनियन पदाधिकारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने मौके पर ही कुछ महत्वपूर्ण शिकायतों का तत्काल निस्तारण किया और शेष जटिल समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए।एसडीएम ने यूनियन के प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि बाकी बची सभी शिकायतों की जांच कराकर उनका भी जल्द और पारदर्शी तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रशासन किसानों की हर जायज समस्या के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर चौधरी धर्मवीर सिंह, नेमपाल सिंह, राकेश रतनपुरिया, डॉक्टर चंद्रभान सैनी, डालचंद सैनी, जितेंद्र सिंह, साजिंदर सिंह, महेंद्र सिंह यादव और जयविंदर सिंह सहित संगठन के कई कार्यकर्ता और किसान मौजूद रहे।

मोबाइल कोर्ट में राज्य आयुक्त ने की 50 मामलों की सुनवाई, बांटे प्रमाण पत्र व उपकरण

अमरोहा (सब का सपना):- दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में मोबाइल कोर्ट का आयोजन किया गया। राज्य आयुक्त दिव्यांगजन डॉ0 शेखर कुमार झा ने दिव्यांगजनों की समस्याएं सुनीं और 50 मामलों की सुनवाई कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। मोबाइल कोर्ट में दिव्यांग प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड, आयुष्मान कार्ड के लिए सीएमओ कार्यालय, राशन कार्ड के लिए पूर्ति विभाग तथा पेंशन व सहायक उपकरणों के लिए दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के स्टॉल लगाए गए थे। मौके पर ही 9 दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए गए। 27 आयुष्मान कार्ड तथा 22 राशन कार्ड के आवेदन लिए गए, जिसमें एक राशन कार्ड तत्काल जारी किया गया। 11 स्मार्ट केन, 3 लेप्रोसी किट, 10 श्रवण यंत्र, 12 बैसाखी एवं 15 ट्राइसाइकिल का वितरण भी किया गया। राज्य आयुक्त ने सीएमओ को निर्देश दिए कि सप्ताह में दो दिन दिव्यांग प्रमाण पत्र जारी किए जाएं। मेडिकल बोर्ड में चिकित्सकों की संख्या 7 की जाए और प्रत्येक तीन वर्ष में नए चिकित्सकों की नियुक्ति हो। पीडी ग्राम्य विकास को दिव्यांगजनों के आवास आवेदनों का सत्यापन कर प्राथमिकता से आवास देने के निर्देश दिए गए। दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को पेंशन न आने के कारणों की जांच कर शीघ्र भुगतान कराने को कहा गया। मुख्य विकास अधिकारी ने आश्वासन दिया कि सभी निर्देशों का पालन किया जाएगा। इस अवसर पर सीडीओ, सीएमओ, पीडी, डीएसडब्ल्यूओ, डीपीओ, डीएसओ, एक्सईएन विद्युत सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

गजरौला NH-9 पर ट्रैक्टर ट्राली में घुसी तेज रफ्तार कार, चालक घायल

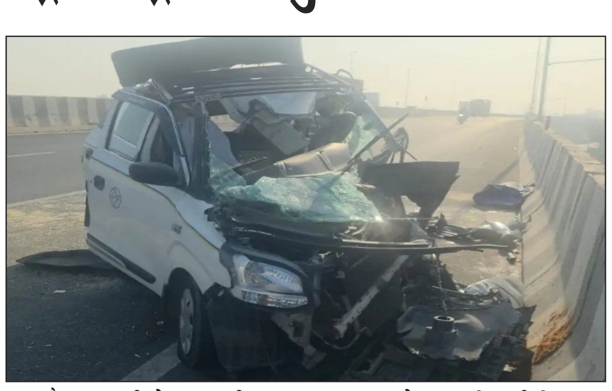

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर मंगलवार को एक तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर ट्राली में जा घुसी। जिससे हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और हाईवे पर भी कुछ देर के लिए यातायात बाधित हो गया। इस हादसे में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको मौके पर पहुंची पुलिस ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि घटना मंगलवार की है जहां गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर एक तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर ट्राली में जा घुसी। इस मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुरादाबाद के टांडा निवासी रिफाकत अली अपनी कार से दिल्ली जा रहे थे जैसे ही वह गजरौला हाईवे स्थित भानपुर पुल के ऊपर पहुंचे तो उनकी कार आगे चल रही मैली से लदी ट्रैक्टर ट्रॉली से जा टकराई। इस हादसे में कार चालक रिफाकत अली घायल हो गया हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घायल रिफाकत अली को नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। इस हादसे के बाद हाईवे पर कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा उधर पुलिस भी इस मामले की जांच में जुटी है।

सात मुहर्रम का जुलूस अपने रिवायती अंदाज में निकाला गया

आजादारों ने की नोहाख्वानी और सीनाजनी

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- सात मुहर्रम का जुलूस अपने रिवायती अंदाज में निकाला गया। लोगों ने अपने हाथों में काले एवं हरे अलम ले रखे थे तथा नंगे सिर व नंगे पांव या हुसैन या हुसैन की सदाऐं बुलंद करते हुए चल रहे थे। हर साल की तरह इस साल भी जनपद अमरोहा के कस्बा उझारी में सात मोहर्रम का जुलूस मोहल्ला सादात स्थित इमामबारगाहे अबू तालिब से प्रारंभ हुआ। यहां से यह जुलूस इमामबारगाहे बाबुल हवाईज पहुंचा और मर्सियाख्वानी करते हुए चांदनी चौक होता हुआ भाटो वाले पेपर पहुंचा। जहां पर लक्कड़ शाह के इमामबाड़े का जुलूस भी इस में शामिल हो गया। वहां से नोहाख्वानी और सीनाजनी करते हुए यह जुलूस मैन मार्केट, मदरसा चौक, मोहल्ला देसलान, मोहल्ला कुम्हारान एवं गोल इमामबाड़े पर होता हुआ इमामबारगाहे बाबुल हवाइज में जाकर समाप्त हुआ। जुलूस में नोहाख्वानी मौलाना शाकिर मंगरौली, अकबर मेहंदी व कल्बे अब्बास आदि ने की। जुलूस में मुख्य रूप से मौलाना नदीम रजा, नूरुल हसन, बिलाल बाकरी, आफाक हुसैन, नजीर अब्बास, जहीर अब्बास, हसन मेहंदी, अखलाक हुसैन, एडवोकेट आदिल जैदी, शोएब जैदी, मोहसिन शहादत, कमाल अब्बास, मोहम्मद असगर, मौहम्मद अब्बास, मोहम्मद अब्बास, शाने असगर, अयाज है दर, मौ० अख्तर, रीहान मुस्तफा, सलमान हसन आदि भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर डॉ सुमित कुमार नागर राष्ट्रीय सचिव ने सौंपा ज्ञापन

नौगावां सादात/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) के राष्ट्रीय सचिव डॉ. सुमित कुमार नागर के नेतृत्व में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने तहसील नौगावां सादात पहुंचकर किसानों एवं आम जनता की विभिन्न समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि बिजली विभाग द्वारा उपभोक्ताओं से की जा रही कथित अवैध वसूली एवं अतिरिक्त बिजली बिलों की जांच कराकर उनका शीघ्र समाधान कराया जाए। इसके अलावा भीषण गर्मी को देखते हुए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तथा पशु-पक्षियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। संगठन ने राशन कार्डों की जांच के नाम पर हो रही अनियमितताओं पर रोक लगाने तथा पात्र व्यक्तियों के राशन कार्ड बनवाने की मांग भी उठाई। वहीं किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचा रहे छुट्टा एवं आवारा पशुओं को पकड़वाकर उचित स्थानों पर भेजने की मांग की गई। डॉ. सुमित कुमार नागर ने कहा कि यदि किसानों और आम जनता की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो संगठन आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर नीरज कुमार, मुकेश कुमार त्यागी, सर्वोत्तम शर्मा, यामीन, सुरेंद्र सिंह, भीष्म त्यागी, दीपांकर शर्मा, चंद्रपाल सिंह चौहान, जुल्फिकार, मुस्तफा सैफी, संजय शर्मा, डॉ. नरदेव सिंह कश्यप, हिमांगी नगर, नाजिम, शमीम, मुजाहिद, हुसैन, फूल सिंह, राकेश त्यागी, राजकुमार त्यागी, नरेश सिंह, तोते कुमार, शहजाद अली, श्याम लाल शर्मा, महेश शर्मा सहित बड़ी संख्या में किसान एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

श्री वेंकटेश्वरा संस्थान में साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला 2026 का शानदार समापन

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला-रजबपुर राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान में पिछले बारह दिवस से चली आ रही साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला -2026 का शानदार समापन हुआ।कार्यशाला में देश के 26 राज्यों के 850 से अधिक प्रतिभागियों को दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, गुरुग्राम, भोपाल से आये विख्यात साइबर एक्सपर्ट ने विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों से निपटने के गुर सिखाए। एडीजी जे पी. सिंह ने प्रतिकुलाधिपति डाक्टर राजीव त्यागी एवं सी ओ अंजली कटारिया के साथ मिलकर सभी प्रतिभागियों एवं साइबर एक्सपर्ट को स्मृति चिन्ह एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। बता दें कि सोमवार को श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय / संस्थान में पिछले दो सप्ताह से चली आ रही साइबर सुरक्षा राष्ट्रीय कार्यशाला-2026 के समापन समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एडीजी जे पी सिंह , प्रतिकुलाधिपति डाक्टर राजीव त्यागी, कुलपति प्रोफेसर (डाक्टर) कृष्ण कान्त दवे, कार्यक्रम मुख्य कोआर्डिनेटर पुलिस उपाधीक्षक अंजलि कटारिया, जुबिलेंट इनग्रेविया लिमिटेड में निदेशक जनसम्पर्क सुनील दीक्षित एवं एचआर हेड ऋषि पाल सिंह आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि एडीजी जे पी सिंह ने कहा कि देश एवं पूरी दुनिया में तेजी से बढ़ते साइबर अपराधों के मकड़जाल को तोड़ने के लिए पुलिस बल के साथ-साथ देश के प्रबुद्ध नागरिक, होनहार-जागरूक स्टूडेंट्स, स्वयंसेवी संस्थाओं को भी एक साथ मिलकर काम करना होगा ताकि इन साइबर अपराधियों के हौंसले एवं नेटवर्क को तोड़ा जा सके। इसी उद्देश्य के साथ इस राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन बेहद सफल रहा जिसमें पुलिस के साथ-साथ श्री वेंकटेश्वरा विश्वविद्यालय का बेहद प्रभावी योगदान रहा। इस अवसर पर हिमांचल विश्वविद्यालय के कुलपति डाक्टर रमेश चौधरी, वित्त निदेशक सी ए. युवराज सिंह, डाक्टर आशिया वाहिद, डाक्टर शिल्पा रैना, डाक्टर सुमन कश्यप, रिया चौधरी, पीआरओ डाक्टर श्री राम गुप्ता, साइबर एक्सपर्ट भानु शर्मा, डाक्टर विकास पाण्डेय, डाक्टर अमित कुमार, डाक्टर ऋषभ, एसएस बघेल, शक्ति ध्वज सिंह, सचिन कुमार, सोनू सैनी, कैमरामैन प्रीतपाल एवं मेरठ परिसर से डाक्टर पंकज चौधरी और मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि भी उपस्थित रहे।

धनौरा तहसील सभागार में भाकियू (टिकैत) गुट व प्रशासनिक अधिकारियों के बीच बैठक का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- मंगलवार को जनपद के मंडी धनौरा तहसील सभागार में भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) गुट के किसानों व प्रशासनिक अधिकारियों के बीच किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन कराया गया। इस बैठक का आयोजन धनौरा एसडीएम शैलेश कुमार दुबे की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें किसान समस्याओं से जुड़े अहम मुद्दों पर चर्चा की गई।एसडीएम ने वहां उपस्थित संबंधित अधिकारियों को उन समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए साथ ही 31 जुलाई तक गन्ना भुगतान पूरा करने के निर्देश भी दिए। बता दें कि बैठक में किसानों ने गन्ना भुगतान में हो रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस पर एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने कड़ा रुख अपनाते हुए गन्ना विभाग और वेब शुगर इंडस्ट्री के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि 31 जुलाई तक किसानों का संपूर्ण गन्ना भुगतान सुनिश्चित किया जाए और इसमें किसी भी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।किसानों ने डींगरा बिजलीघर के पास चल रहे सड़क निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं से भी अवगत कराया। एसडीएम ने तुरंत लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के जूनियर इंजीनियर (जेई) से मोबाइल पर बात की और समस्या के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।इसके अतिरिक्त, क्षेत्र में खाद की किल्लत को लेकर भी किसानों ने चिंता व्यक्त की। खाद विभाग के अधिकारियों ने दावा किया कि क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है और किसानों को कोई परेशानी नहीं होगी।एसडीएम शैलेश कुमार दुबे ने कहा, "प्रशासन किसानों की हर जायज समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है।

सभी संबंधित विभाग तय समय सीमा के भीतर काम पूरा करें।"तहसीलदार मूसराम थारू भी बैठक में मौजूद रहे। किसानों का नेतृत्व भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष चौधरी आलोक कुमार ने किया। इस दौरान रामवीर सिंह, चरण सिंह, झुंडे सिंह, तहसील अध्यक्ष देशराज सिंह, मुकेश शर्मा, उपकार त्यागी, बालेश त्यागी और जफर अली सहित बड़ी संख्या में किसान और संघ के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धनौरा नगर पालिका परिषद सभागार में सम्मान समारोह का आयोजन

योग दिवस पर प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान के लिए मिला सम्मान

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा नगर पालिका परिषद सभागार में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के उपलक्ष में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस समारोह में योग के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान का दायित्व निभाने वाली महिला पतंजलि योग समिति,अमरोहा की जिला प्रभारी अनीता भटनागर एवं उनकी टीम को सम्मानित किया गया। बता दें कि कार्यक्रम में पालिका अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर सोनिया अग्रवाल और अधिशासी अधिकारी (ईओ) अभदेश वर्मा ने योग शिक्षिकाओं को पटका पहनाकर आभार व्यक्त किया।समारोह का एक मुख्य आकर्षण एक नन्ही योग साधिका रही। उसने योग दिवस पर स्वयं योग प्रदर्शन किया और उपस्थित लोगों को भी योग कराया। पालिका प्रशासन और अतिथियों ने उसके विशेष योगदान की सराहना करते हुए उसे सम्मानित किया।इस अवसर पर नगर पालिका और योग समिति के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पालिका प्रशासन की ओर से सभासद प्रत्यक्ष शर्मा, उमेश सैनी, सोनू बाबू, आरती, जितेश जाटव और देवेश तंवर ने कार्यक्रम में भाग लिया।महिला पतंजलि योग समिति की सम्मानित टीम में अनीता शर्मा, मनीषा, वैशाली गुप्ता,

लवी, शोभा अग्रवाल, चित्रा अग्रवाल, ममता शर्मा, अनीता शर्मा, पूजा शर्मा और सेंसी भटनागर शामिल थीं। वक्ताओं ने योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प दोहराया और जिला प्रभारी अनीता भटनागर के प्रयासों की प्रशंसा की।

25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार, पैर में गोली लगने से घायल

सम्भल(सब का सपना):- थाना पुलिस ने मंगलवार रात चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार चन्दौसी बाईपास स्थित क्षेमनाथ मंदिर के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार को रोकने का प्रयास किया गया। इस दौरान अभियुक्त नईम पुत्र सादत ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस द्वारा आत्मरक्षा में की गई फायरिंग में आरोपी के पैर में गोली लग गई, जिससे वह घायल हो गया और पुलिस ने उसे मौके पर ही दबोच लिया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध 12 बोर तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक अपाचे मोटरसाइकिल तथा 25 हजार रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी नईम थाना सम्भल में दर्ज एक मुकदमे में वांछित चल रहा था तथा उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। आरोपी लंबे समय से फरार था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई थी। घटना की सूचना पर फील्ड यूनिट की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की। आरोपी की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर थाना सम्भल में सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

लखनऊ अग्निकांड पर व्यापार मंडल युवा इकाई ने जताया शोक, दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में हुए भीषण अग्निकांड पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। युवा इकाई के पदाधिकारियों ने हादसे में जान गंवाने वाले छात्रों और अन्य नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। सोमवार को लखनऊ के अलीगंज स्थित एक व्यावसायिक इमारत में हुए दर्दनाक अग्निकांड से पूरे प्रदेश में शोक की लहर है। इस हादसे में मासूम छात्रों की असमय मृत्यु पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई ने मौन धारण कर दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की तथा पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि यह घटना अत्यंत दुखद और हृदय विदारक है। जिन परिवारों ने अपने बच्चों को खोया है, उनके दुःख की कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि रिहायशी नक्शों पर अवैध रूप से संचालित कमर्शियल गतिविधियों को बढ़ावा देने वाले भवन स्वामियों तथा नियमों की अनदेखी करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं संस्थानों के संचालकों से भी अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करें, ताकि भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। अध्यापक दीपक वार्ष्णेय ने उत्तर प्रदेश सरकार एवं मुख्यमंत्री द्वारा घटना के बाद की गई त्वरित कार्रवाई, एसआईटी गठन तथा पीड़ितों के लिए घोषित आर्थिक सहायता का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए, जिससे भविष्य में ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लग सके। इस दौरान तुषार, कृष्टल, राजू ठाकुर, अतुल कश्यप, वीरपाल, राहुल, मोहित ठाकुर, उमाकांत शर्मा, मलिक खान एवं शालिम खान सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

20 जुलाई तक भरें हज-2027 के आवेदन, पासपोर्ट वैधता का रखें विशेष ध्यान:- तकी अशरफ

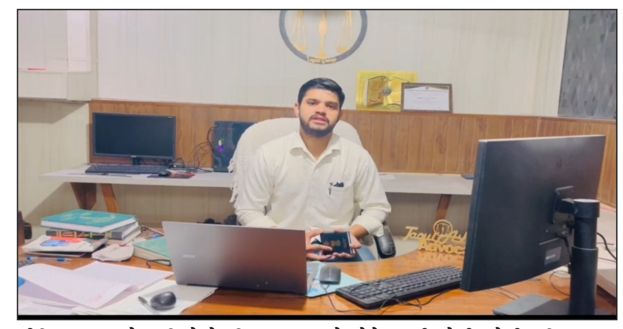

सम्भल (सब का सपना):- हज ट्रेनर जिला सम्भल तकी अशरफ एडवोकेट ने बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार वर्ष 2027 में हज की पवित्र यात्रा पर जाने के इच्छुक लोग 20 जुलाई 2026 तक अपने आवेदन ऑनलाइन भरवा लें। हज-2027 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और निर्धारित अंतिम तिथि के बाद आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जिन आवेदकों के पास पहले से पासपोर्ट हैं, उनकी वैधता 31 दिसम्बर 2027 तक होना अनिवार्य है। वहीं जिन लोगों ने अभी तक पासपोर्ट नहीं बनवाया है, वे तत्काल श्रेणी में पासपोर्ट बनवाकर समय रहते आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि 65 वर्ष से अधिक आयु के यात्रियों के साथ 60 वर्ष से कम आयु का एक सहयात्री होना आवश्यक है। तकी अशरफ ने बताया कि हज कमेटी ने इस बार सीमित संख्या में यात्रियों के लिए 20 दिन की शॉर्ट हज यात्रा का विकल्प भी उपलब्ध कराया है। यदि निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन प्राप्त होते हैं तो चयन ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। सामान्य हज यात्रा की अवधि 38 से 45 दिन होती है और इच्छुक यात्री इस श्रेणी में भी आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने आवेदकों को सलाह दी कि साइबर कैफे, जनसेवा केंद्र अथवा अन्य माध्यमों से आवेदन कराने से पहले मरकजी मदरसा में संपर्क कर आवश्यक जानकारी प्राप्त कर लें। आवेदन पत्र में होने वाली छोटी-छोटी त्रुटियां बाद में बड़ी परेशानी का कारण बन सकती हैं। हज आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज पासपोर्ट, आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक पासबुक अथवा कैंसिल चेक, पासपोर्ट साइज फोटो, ब्लड ग्रुप का विवरण, नॉमिनी का आधार कार्ड, मोबाइल नंबर एवं ई-मेल आईडी। जिला सम्भल के हज आवेदन उत्तर प्रदेश हज कमेटी द्वारा अधिकृत हज ई-सुविधा केंद्र मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी सम्भल में भरे जाएंगे। तकी अशरफ ने बताया कि वर्ष 2026 में सम्भल जिले से लगभग 506 लोग हज यात्रा पर गए थे। सभी यात्रियों ने सफलतापूर्वक हज की अदायगी कर ली है और उनकी वापसी का सिलसिला जारी है। 26 जून तक सभी हाजियों के वापस लौट आने की संभावना है। उन्होंने कहा कि अल्लाह के फज्ल से किसी भी यात्री के साथ कोई अप्रिय घटना नहीं हुई और सभी ने सकुशल हज यात्रा पूरी की। हज-2027 से संबंधित अधिक जानकारी के लिए जिला हज ट्रेनर्स से संपर्क किया जा सकता है। संपर्क सूत्रः अब्दुल खालिक 9457271007 कारी वसी अशरफ 9837766740 हाजी नदीम 9897039750 तकी अशरफ एडवोकेट 95578 62256 मुहम्मद अहमद रजा 9411071791 मिनजानिबः-जिला हज ट्रेनर्स सम्भल मरकजी मदरसा अहले सुन्नत अजमल उल उलूम, तेल मंडी, सम्भल।

बाबा अमरनाथ यात्रा के लिए चंदौसी से खाद्य सामग्री से भरा ट्रक जम्मू रवाना

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- शिव बफानी मानव सेवा समिति के तत्वावधान में कैलाशी राजीव गुप्ता के नेतृत्व में मंगलवार को बाबा अमरनाथ यात्रा के दौरान आयोजित होने वाले चतुर्थ भंडारे के लिए खाद्य सामग्री एवं आवश्यक सामान से भरा एक ट्रक जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना किया गया। समिति के मुख्य सेवादार कौशल किशोर वंदेमातरम ने बताया कि इस वर्ष बाबा अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। लगभग दो माह तक चलने वाली इस पवित्र यात्रा को लेकर देशभर के श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है। यात्रा मार्ग पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए विभिन्न भंडारा समितियों को अमरनाथ श्राइन बोर्ड एवं जम्मू-कश्मीर प्रशासन द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार अनुमति प्रदान की जाती है। उन्होंने बताया कि चंदौसी से केवल शिव बफानी मानव सेवा समिति को ही जम्मू के भगवती नगर स्थित यात्री निवास परिसर में 1 जुलाई से 28 अगस्त तक भंडारा संचालित करने की आधिकारिक अनुमति प्राप्त हुई है। समिति लगातार चौथे वर्ष श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भंडारा आयोजित कर रही है। इसी क्रम में सीता रोड स्थित गुप्ता कोल्ड स्टोरेज परिसर में नगर के दानदाताओं द्वारा भंडारे में उपयोग होने वाली खाद्य सामग्री एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का संग्रह किया गया। देर रात्रि सीता आश्रम स्थित प्रसिद्ध मूंछों वाले शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ ट्रक को भंडारा संचालक रूपेश शर्मा की सुपुर्दगी में जम्मू-कश्मीर के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर राजीव गुप्ता, अंशुल टनाटन परिवार, मनोज कुमार डब्बू, राहुल सिंघल, विट्ठू अग्रवाल, कपिल गुप्ता (ओएलएफ), मौसम गुप्ता, संजय किराना, मेवाराम गुप्ता, जितेंद्र कुमार शीरा, अर्पित चंद्रा, शरद चंद्र लाले, शलभ गुप्ता राम, सुमित चानू, अक्षय किराना, अनुभ जावा सहित अनेक दानदाता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी में लंबे समय से खराब पड़े दो सरकारी नल, पानी को तरसे ग्रामीण

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र स्थित गांव अकबरपुर में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। गांव में लगे दो सरकारी हैंडपंप लंबे समय से खराब पड़े हैं, जिससे ग्रामीणों को भीषण गर्मी के बीच पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप है कि शिकायतों के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित विभाग समस्या के समाधान को लेकर गंभीर नहीं हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के दोनों सरकारी नल कई महीनों से खराब हैं। गर्मी के मौसम में पानी की मांग बढ़ने के कारण लोगों को दूर-दराज के स्थानों से पानी लाना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को झेलनी पड़ रही है। कई परिवारों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी पानी जुटाने में घंटों मशक्कत करनी पड़ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि शिकायतें केवल आश्वासनों तक सीमित रह गई हैं, जबकि जमीनी स्तर पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। गांववासियों ने प्रशासन से खराब पड़े दोनों सरकारी नलों की जल्द मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो पेयजल संकट और गंभीर रूप ले सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि एक ओर सरकार हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर गांवों में खराब पड़े सरकारी नल जिम्मेदारों की उदासीनता की कहानी बयां कर रहे हैं। अब देखना यह होगा कि प्रशासन ग्रामीणों की इस मूलभूत समस्या पर कब तक ध्यान देता है।

7 मोहर्रम पर निकला हजरत अब्बास अलमदार का ऐतिहासिक अलम जुलूस

सम्भल(सब का सपना):- कर्बला के महान शहीद और पैगंबर हजरत मुहम्मद के नवासे इमाम हुसैन के भाई हजरत अब्बास अलमदार की याद में मंगलवार को 07 मोहर्रम का पारंपरिक अलम जुलूस शहर में अकीदत और एहतराम के साथ निकाला गया। जुलूस में हजारों की संख्या में अजादारों और श्रद्धालुओं ने शिरकत कर कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश किया। परंपरागत रूप से मंडी किशनदास सराय और चमन सराय से अलम मुबारक का जुलूस निकाला गया। मियां सराय से शुरू हुआ यह जुलूस विभिन्न मोहल्लों के अलमों को साथ लेकर चमन सराय चौक इमामबाड़े पर पहुंचा, जहां शहर के अनेक इलाकों से आए अलम एकत्र हुए। इसके बाद विशाल जुलूस बाजार सब्जी मंडी, तहसील मोहल्ला, कोट गर्वी, फतेहउल्ला सराय, देहली दरवाजा और अन्य क्षेत्रों से गुजरता हुआ रेतला मैदान पहुंचा। जुलूस के दौरान अजादारों की जुबान पर मौला अब्बास जिंदाबाद और मौला हुसैन जिंदाबाद के नारे गूंजते रहे। पूरे शहर में गम और अकीदत का माहौल दिखाई दिया। इमामबाड़ों में सुबह से ही अलम सजाकर रखे गए थे और दोपहर से शुरू हुआ अलमदारी का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। इस अवसर पर शिया और सुन्नी समुदाय की साझा भागीदारी ने गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी भाईचारे की मिसाल पेश की। दोनों समुदायों के लोगों ने अलम थामकर कर्बला के शहीदों को याद किया और हुसैनियत के पैगाम को आम किया। जगह-जगह शर्बत, नियाज और सबीलों का आयोजन किया गया, जबकि कई स्थानों पर अलमदारों और अजादारों का पगड़ी बांधकर स्वागत किया गया। जुलूस की सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए थे।

वरिष्ठ अधिकारी लगातार हालात पर नजर बनाए रहे और विभिन्न मार्गों पर पुलिस बल तैनात रहा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पूरा कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। इस दौरान रफीक रही, मोहम्मद उमर, फैसल कसीर, हकीम अशीर, समद अब्बास, जमशेद वारसी, सालिम अशरफी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

दिल्ली की साहित्यिक संस्था आर डी काव्यकुल संस्था ने कलमकारों को किया सम्मानित

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आर. डी. काव्यकुल संस्था दिल्ली तथा साहित्य चेतना मंच चंदौसी के संयुक्त तत्वावधान में बी.एम.जी. इण्टर कॉलेज चंदौसी के प्रांगण में एक अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सम्भल जनपद के मुख्य विकास अधिकारी गोरखनााथ भट्ट तथा चन्दौसी नगरपालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय कार्यक्रम अध्यक्ष रहीं। इस कार्यक्रम में चन्दौसी नगर के प्रत्येक विद्यालय के हाईस्कूल एवं इंटर के टॉपर छात्र-छात्राओं को, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, नगर पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय, बीएमजी इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या सीमा सागर, आर.डी.काव्यकुल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रंजीत शर्मा रंग, बदायूँ ईकाई अध्यक्ष सुशील त्रिवेदी अनुज, ने संयुक्त रूप से बेज लगाकर, अंग वस्त्र पहनाकर एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही लता वार्ष्णेय ने योग दिवस पर बच्चों को प्रोत्साहित किया एवं उनका मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम के अतिथि गोरखनाथ भट्ट ने विकसित भारत स्वच्छ भारत, नारी सम्मान एवं नवयुवकों को प्रोत्साहन दियाया। मिसाइल मैन अब्दुल कलाम जैसे संघर्ष शील व्यक्तित्व के जीवन पर प्रकाश डाला एवं विवेकानंद जी की जीवनी का उल्लेख किया।जयशंकर प्रसाद, सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी की कविताओं का वाचन किया एवं महिलाओं के संदर्भ में प्रसव पीड़ा का विधिवत वर्णन किया। उन्होंने बताया यदि माता स्वस्थ है तो संतान भी स्वस्थ पैदा होगी व आने वाले भारत को सुभाष चंद्र बोस, वीर शिवाजी,वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप, रानी लक्ष्मीबाई जैसे बच्चे देखने को मिलेंगे, जिससे देश सुरक्षित हाथों में विकसित होगा। आर.डी. काव्यकुल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. रंजीत शर्मा रंग की गरिमामयी उपस्थिति में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन व सम्मान समारोह का कार्यक्रम संपन्न हुआ। डॉ रंजीत शर्मा रंग ने कार्यक्रम आयोजक एवं संचालक दिनेश पाल सिंह दिव्य के सहपाठी मुकेश दीक्षित शिवांश की विशेष सराहना की और उन्होंने कहा कि चंदौसी में और भी ऐसे भव्य कवि सम्मेलन और काव्यकुंभ कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आर. डी काव्यकुल संस्था दिल्ली की ओर से संभल इकाई के अध्यक्ष मुकेश दीक्षित शिवांश, उपाध्यक्ष दिनेश पाल सिंह दिव्य को नियुक्त किया गया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सेवानिवृत्ति आदरणीय जन, योग्य छात्र-छात्राओं को विशेष सम्मान देना एवं नवोदित कवियों को मंच प्रदान करना है । कार्यक्रम का संचालन दिनेश पाल सिंह दिव्य ने किया। इस कार्यक्रम में गौरव अग्रवाल सेठ दिल्ली, प्रमोद कुमार गांधी, आकाश कुमार, नीलेंद्र सिंह, आकाश राघव अविनाश, इत्यादि का विशेष योग रहा। सेवानिवृत्ति जन्म में जीत पाल सिंह, देवेंद्र शर्मा, अशोक कुमार ,सुरेश पाल सिंह, दुर्ग पाल सिंह ,सुदेश पाल सिंह, जगदीश चंद्र राणा ,हरीश कठेरिया, हरिशंकर शास्त्री ,इंद्रजीत सिंह यादव , नरेंद्र कुमार, सिंह, भूपेंद्र सिंह नेगी ,प्रदीप पाल, अतुल चौधरी, श्रीपाल सिंह आदि आदरणीय जन उपस्थित रहे। अंत में आर. डी.काव्यकुल संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ रंजीत शर्मा रंग ने कार्यक्रम के आयोजक एवं संचालक दिनेश पाल सिंह दिव्य को हार्दिक बधाई दी और आगामी कार्यक्रम के लिए शुभकामनाएं दी।

राजस्व, प्रवर्तन एवं भूमि आवंटन मांग की समीक्षा बैठक आयोजित

जिलाधिकारी ने अवैध कब्जों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के दिए निर्देश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल की अध्यक्षता में कर एवं करेत्तर, प्रवर्तन, राजस्व, चकबंदी विभाग तथा विभिन्न विभागों से प्राप्त भूमि आवंटन मांग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों की लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व प्राप्ति की समीक्षा की गई। स्टाम्प विभाग के अन्तर्गत बैनामों की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त आबकारी एवं बिक्री कर विभाग की राजस्व प्राप्ति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने प्रवर्तन कार्यों की समीक्षा करते हुए परिवहन, वानिकी, खनन, विद्युत, बाट-माप तथा मण्डी समिति सहित अन्य विभागों से जानकारी प्राप्त की तथा प्रवर्तन कार्यों में और अधिक तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मण्डी समिति को मण्डी में आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए तथा समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे मण्डी में संचालित क्रय केन्द्रों एवं अन्य व्यवस्थाओं का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें। बैठक में आरसी वसूली की समीक्षा भी की गई। जिलाधिकारी ने आरसी वसूली की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर अमीनों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने सबसे पुरानी लंबित आरसी, टॉप-10 वसूली कार्यवाहियों तथा बकायेदारों की सम्पत्ति कुर्की की स्थिति की जानकारी प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। धारा 80, धारा 24 एवं धारा 34 से संबंधित प्रकरणों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जिला पंचायती राज अधिकारी से पंचायत उत्सव भवन हेतु भूमि की उपलब्धता के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त एफएसटीसी, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट, अन्नपूर्णा भवन, सैनिक कल्याण विभाग, लोक निर्माण विभाग के गेस्ट हाउस एवं हेलीपैड के लिए भूमि की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने प्लेज पार्क एवं 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अंश निर्धारण की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि लेखपालों का रोस्टर बनाकर अंश निर्धारण, अविवादित विरासत एवं अन्य राजस्व प्रकरणों का ग्राम स्तर पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में तालाबों एवं चक रोड की स्थिति की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने चिन्हित तालाबों को शत-प्रतिशत कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए। साथ ही लेखपालों से पट्टों की जांच तथा तालाब एवं चक रोड से संबंधित प्रमाण-पत्रों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि तहसीलों से नदियों पर अवैध कब्जों का सत्यापन कराया जाए। तहसील स्तर पर जनसुनवाई में पर्ची सिस्टम लागू करने तथा थानों में वाहन खड़े करने हेतु संबंधित थानों के आसपास सरकारी भूमि चिन्हित करने के निर्देश भी दिए गए। राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने नायब तहसीलदारों एवं तहसीलदारों से जानकारी प्राप्त की। धारा 67 एवं एंटी भू-माफिया अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देशित किया कि प्रत्येक तहसील स्तर पर कम से कम 5-5 भू-माफियाओं को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को ब्लॉक स्तर पर समस्त संबंधित ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त लैण्ड बैंक एवं चकबंदी वादों के निस्तारण की स्थिति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सत्य प्रिय सिंह, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) सौरभ कुमार पाण्डेय, उप जिलाधिकारी सम्भल निधि पटेल, उप जिलाधिकारी गुन्नौर विकास चन्द, उप जिलाधिकारी चन्दौसी नीतू रानी सहित समस्त डिप्टी कलेक्टर एवं संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोहर्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, डीआईजी ने अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

संभल(सब का सपना):- आगामी मोहर्रम पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक मुरादाबाद परिक्षेत्र, मुरादाबाद मुनिराज ने पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार की उपस्थिति में अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) कार्यालय स्थित सभागार में समीक्षा गोष्ठी आयोजित की। बैठक में जिले की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और कानून-व्यवस्था को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान मोहर्रम जुलूसों एवं कार्यक्रमों को लेकर संवेदनशील स्थलों की पहचान, सुरक्षा प्रबंध, पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात व्यवस्था के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि पर्व के दौरान शांति, सौहार्द और सुरक्षा बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से पूरी की जाएं। डीआईजी ने क्षेत्र में लगातार भ्रमण, प्रभावी गश्त, सोशल मीडिया की निगरानी और खुफिया तंत्र को सक्रिय बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। साथ ही स्थानीय नागरिकों, ताजियादारों एवं धर्मगुरुओं के साथ बेहतर समन्वय स्थापित कर किसी भी संभावित विवाद या अफवाह को समय रहते रोकने के निर्देश दिए। बैठक में यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि, अफवाह या कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के प्रयास पर तत्काल और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस प्रशासन ने आमजन से भी अपील की कि वे मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने में सहयोग करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। गोष्ठी में जनपद के समस्त क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि मोहर्रम के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाएगी और शांति भंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मारेंगे भी, मुकदमा भी लिखवाएंगे:- महिला का आरोप, बढ़ापुर-नगीना मार्ग पर बस संचालकों की दबंगई का वीडियो वायरल

नगीना/बिजनौर। (सब का सपना)बढ़ापुर-नगीना मार्ग पर निजी बस संचालकों की कथित दबंगई का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक महिला ने आरोप लगाया है कि कुछ प्राइवेट बस संचालक यात्रियों और रिक्शा चालकों के साथ अभद्र व्यवहार करते हैं तथा बीच रास्ते में रिक्शा रुकवाकर यात्रियों को जबरन उतारने का दबाव बनाते हैं। वीडियो में महिला का दावा है कि बस संचालक खुलेआम धमकी देते हैं कि "मारेंगे भी और मुकदमा भी लिखवाएंगे।" महिला ने आरोप लगाया कि इस व्यवहार से आम यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बुजुर्गों में भय का माहौल बना हुआ है। उनका कहना है कि रिक्शा चालकों को भी आए दिन प्रताड़ित किया जाता है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है। महिला ने वीडियो में यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में स्थानीय पुलिस की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। हालांकि, इन आरोपों की अभी तक किसी आधिकारिक स्तर पर पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस की ओर से भी इस संबंध में कोई औपचारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद लोग मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यात्रियों की सुरक्षा और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को लेकर यह गंभीर चिंता का विषय है। फिलहाल प्रशासन या पुलिस की ओर से मामले में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि वायरल वीडियो और लगाए गए आरोपों की जांच के बाद संबंधित अधिकारियों द्वारा क्या कार्रवाई की जाती है।

विदुरकुटी रोड पर नई शराब दुकान का विरोध, क्षेत्रवासियों ने डीएम से की जांच की मांग

बिजनौर(सब का सपना):- विदुरकुटी रोड पर हाल ही में स्थापित की गई मदिरा दुकान को लेकर स्थानीय नागरिकों में विरोध के स्वर तेज हो गए हैं। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी को जनहित याचिका सौंपकर दुकान के स्थान चयन, लाइसेंस प्रक्रिया और वैधानिक मानकों की जांच कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यह दुकान घनी आबादी वाले क्षेत्र के मुख्य प्रवेश मार्ग पर स्थित है, जिसके आसपास मस्जिद, मदरसा, विद्यालय तथा आवासीय क्षेत्र मौजूद हैं। याचिका में कहा गया है कि विदुरकुटी रोड जनपद का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में विद्यार्थी, महिलाएं, बुजुर्ग और अन्य नागरिक आवागमन करते हैं। ऐसे में आबादी के बीच और मुख्य मार्ग पर मदिरा दुकान का संचालन सामाजिक वातावरण, सार्वजनिक शांति और सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चिंताजनक है। क्षेत्रवासियों ने अपने ज्ञापन में संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए कहा है कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार प्राप्त है। वहीं अनुच्छेद 47 राज्य को जनस्वास्थ्य की रक्षा और मादक पेयों के सेवन को हतोत्साहित करने का निर्देश देता है। ऐसे में प्रशासन को जनहित और सामाजिक व्यवस्था को प्राथमिकता देनी चाहिए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि मदिरा विक्रय स्थलों के चयन में जनहित, सुरक्षा और स्थानीय परिस्थितियों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि संवेदनशील स्थान पर दुकान खुलने से बच्चों, विद्यार्थियों और महिलाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है तथा कानून-व्यवस्था संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। क्षेत्रवासियों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मदिरा दुकान के लाइसेंस और स्थान चयन की वैधानिक जांच कराई जाए, जिला आबकारी अधिकारी एवं संबंधित अधिकारियों द्वारा स्थलीय निरीक्षण कराया जाए तथा आसपास स्थित धार्मिक और शैक्षणिक संस्थानों से दूरी का सत्यापन किया जाए। साथ ही स्थानीय लोगों की आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए जनहित में आवश्यक कार्रवाई की जाए और आवश्यकता पड़ने पर दुकान को किसी वैकल्पिक स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। फिलहाल क्षेत्रवासियों की इस मांग के बाद निगाहें जिला प्रशासन पर टिकी हैं कि मामले में क्या निर्णय लिया जाता है।

भूगर्भ जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता, डीएम जसजीत कौर ने दिए सख्त निर्देश

वर्षा जल संचयन, तालाबों के संरक्षण और अवैध भूगर्भ जल दोहन पर होगी कड़ी निगरानी

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में लगातार गिरते भूगर्भ जल स्तर को लेकर जिला प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाया है। जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भूगर्भ जल अधिनियम-2019 के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें जल संरक्षण और वर्षा जल संचयन को लेकर संबंधित विभागों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि भूगर्भ जल स्तर में लगातार हो रही गिरावट भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में पेयजल और सिंचाई जैसी मूलभूत आवश्यकताओं पर भी संकट गहरा सकता है। उन्होंने सभी विभागों को जल संरक्षण एवं भूगर्भ जल रिचार्ज के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि जिले में अधिक से अधिक वर्षा जल संचयन (रेन वाटर हार्वेस्टिंग) की व्यवस्था विकसित की जाए, ताकि बरसात के पानी का अधिकतम उपयोग हो सके और भूगर्भ जल स्तर में सुधार आए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, संस्थानों तथा अन्य सार्वजनिक भवनों में रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली अनिवार्य रूप से स्थापित कर उसका नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनपद के तालाबों, पोखरों और अन्य जलाशयों का संरक्षण, पुनर्जीवन एवं नियमित सफाई कराई जाए, जिससे वर्षा जल का प्राकृतिक संग्रहण और भूगर्भ जल का पुनर्भरण बेहतर ढंग से हो सके। साथ ही नालों एवं जल निकासी मार्गों को अवरुद्ध होने से बचाने के निर्देश देते हुए कहा कि वर्षा जल को अधिकाधिक मात्रा में धरती के भीतर समाहित करने की व्यवस्था की जाए। बैठक में जिलाधिकारी ने अवैध भूगर्भ जल दोहन पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि बिना अनुमति भूगर्भ जल के दोहन करने वालों पर लगातार निगरानी रखी जाए और निर्धारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों एवं संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जनभागीदारी से ही इसे सफल बनाया जा सकता है। इसलिए लोगों को वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग के प्रति व्यापक स्तर पर जागरूक किया जाए। विभिन्न विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें।

बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भूगर्भ जल संरक्षण से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की तथा विभागवार प्रगति की जानकारी भी जिलाधिकारी को दी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि जनपद में जल संरक्षण को लेकर अभियान लगातार जारी रहेगा और इसके क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा भी की जाएगी।

लंबित कोर्ट केसों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, डीएम जसजीत कौर ने दिए सख्त निर्देश

आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, वृक्षारोपण और अतिक्रमण हटाने की प्रगति की समीक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न महत्वपूर्ण सरकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कोर्ट केस, आयुष्मान कार्ड, फार्मर रजिस्ट्री, फैमिली आईडी, वृक्षारोपण अभियान, अतिक्रमण विरोधी अभियान तथा आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की विस्तार से समीक्षा की गई। इस दौरान सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों ने अपने-अपने विभागों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। जिलाधिकारी ने न्यायालयों में लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभाग अपने-अपने न्यायालयीन प्रकरणों की नियमित और प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से प्रत्युत्तर दाखिल कर मामलों का शीघ्र निस्तारण कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। आयुष्मान भारत योजना की समीक्षा करते हुए डीएम ने निर्देश दिए कि जनपद का कोई भी पात्र व्यक्ति आयुष्मान योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए विशेष अभियान चलाकर सभी पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड जल्द से जल्द बनवाए जाएं। फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों से लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर विशेष शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक किसानों एवं परिवारों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक समय पर पहुंच सके। आगामी वृक्षारोपण अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पौधरोपण स्थलों का चयन शीघ्र करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके संरक्षण और जीवित रखने की भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। अतिक्रमण विरोधी अभियान की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने चारागाह भूमि, सार्वजनिक उपयोग की भूमि, सड़क किनारे किए गए अवैध कब्जों तथा अवैध टैक्सी स्टैंडों को चिन्हित कर अभियान चलाकर तत्काल हटाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक विकासखंड में मिनी स्टेडियम के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हित कर प्रस्ताव उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आईजीआरएस पोर्टल पर लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों का केवल औपचारिक निस्तारण न किया जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने लंबित एवं डिफॉल्टर मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में डीसी मनरेगा, उप कृषि निदेशक सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी अधिकारी निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करना सुनिश्चित करें।

नियमित टीकाकरण को प्रभावी बनाने पर सीएचसी स्योहारा में स्वास्थ्य कर्मियों का प्रशिक्षण, माइक्रोप्लान सुदृढ़ करने पर दिया जोर

स्योहारा/बिजनौर (सब का सपना):- सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सहयोग से नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण देकर टीकाकरण कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए माइक्रोप्लान को मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। कार्यशाला का शुभारंभ प्रभारी चिकित्सा अधिकारी (अधीक्षक) डॉ. बी.के. स्नेही ने किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सीएचसी के अंतर्गत आने वाले उपकेंद्रों पर कार्यरत एएनएम, एलएचवी, हेल्थ सुपरवाइजर, चिकित्सा अधिकारी, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम), ब्लॉक कम्युनिटी प्रोसेस मैनेजर (बीसीपीएम), एआरओ सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लिया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एसएमओ डॉ. ईशा गोयल ने कहा कि नियमित टीकाकरण सरकार का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि कोरोना महामारी के दौरान यह कार्यक्रम कुछ हद तक प्रभावित हुआ था, लेकिन अब सरकार इसे पूरी मजबूती के साथ संचालित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र को ऐसा सटीक और व्यावहारिक माइक्रोप्लान तैयार करना होगा, जिसमें टीकाकरण से संबंधित सभी आवश्यक जानकारियां स्पष्ट रूप से दर्ज हों। इसमें कितने बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण होना है, कौन-कौन से टीके लगाए जाएंगे, कितने टीकाकरण सत्र आयोजित होंगे तथा वैक्सीन की उपलब्धता कैसे सुनिश्चित की जाएगी, जैसी सभी जानकारियां शामिल होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मजबूत माइक्रोप्लान ही सफल टीकाकरण अभियान की आधारशिला है। डॉ. ईशा गोयल ने निर्देश दिए कि रिक्त उपकेंद्रों एवं ईंट-भट्टों पर रहने वाले प्रवासी श्रमिकों के बच्चों के लिए अलग माइक्रोप्लान तैयार किया जाए। प्रत्येक उपकेंद्र का मानचित्र तैयार कर प्रदर्शित किया जाए तथा प्रभावी कम्युनिकेशन प्लान बनाकर निर्धारित गतिविधियों का समयबद्ध संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि कोई भी बच्चा या गर्भवती महिला टीकाकरण से वंचित न रहे। उन्होंने आगामी 28 जून से शुरू होने वाले पल्स पोलियो अभियान की तैयारियों की भी विस्तार से समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य कर्मियों को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर डॉ. बी.के. स्नेही, डॉ. हासिम, डॉ. प्रणव, डॉ. राकेश, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, एआरओ आलोक कुमार, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मोहम्मद मुस्तकीम, संजीव कुमार, दिनेश कुमार राजपूत, दिनेश कुमार, गुलशन, श्रीकांत राजपूत, राजन राठी, विपुल चौधरी, राजेश चौधरी, धर्मेंद्र तथा गाबी से सौरभ आर्य सहित बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्वास्थ्य कर्मियों ने नियमित टीकाकरण कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाने तथा प्रत्येक पात्र बच्चे और गर्भवती महिला तक टीकाकरण की सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया।

जलीलपुर में दर्दनाक सड़क हादसा, युवक की मौके पर मौत

दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे युवक को मिनी ट्रक ने कुचला, एक गंभीर घायल

बिजनौर(सब का सपना):- चांदपुर-हस्तिनापुर मार्ग पर सोमवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा थाना चांदपुर क्षेत्र के ब्लॉक जलीलपुर स्थित खंड विकास अधिकारी कार्यालय के सामने हुआ, जहां दो बाइकों की टक्कर के बाद सड़क पर गिरे युवक को पीछे से आ रही एक मिनी ट्रक ने कुचल दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दो बाइक सवारों के बीच टक्कर हो गई, जिससे दोनों वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रही आयशर कंपनी की मिनी ट्रक की चपेट में आकर ग्राम पाड़ला निवासी आयन पुत्र दिलशाद की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। घटना में ग्राम अजदेव निवासी जीशान पुत्र मोमिन गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को डायल-108 एम्बुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्याऊ भिजवाया। चिकित्सकों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के बाद दूसरी बाइक पर सवार एक युवक, जो ग्राम माहू का बताया जा रहा है, अपनी बाइक मौके पर छोड़कर फरार हो गया। वहीं दुर्घटना के बाद मिनी ट्रक चालक भी वाहन लेकर भाग निकला। हालांकि पीछा किए जाने पर उसने हट्टीनाथ मंदिर के पास मिनी ट्रक छोड़ दी और मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि मिनी ट्रक अमरोहा से पानीपत कपड़े की कत्तर लेकर जा रही थी तथा चालक बिजनौर क्षेत्र का निवासी बताया गया है। पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है तथा फरार चालक एवं अन्य संबंधित लोगों की तलाश शुरू कर दी है।

आत्मदाह की घटना के बाद पुलिस अलर्ट, एसपी कार्यालय और थानों में बढ़ाई गई सुरक्षा

बिजनौर (सब का सपना):- शहर कोतवाली में रविवार देर रात एक महिला द्वारा आत्मदाह के प्रयास की घटना के बाद पुलिस विभाग पूरी तरह सतर्क हो गया है। महिला को गंभीर हालत में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए दिल्ली रेफर कर दिया गया। बताया जा रहा है कि महिला पुलिस कार्रवाई से असंतुष्ट थी। इसी दौरान उसने कोतवाली परिसर में अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगा ली। घटना के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। घटना के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक कार्यालय और जिले के सभी 22 थानों में अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था लागू कर दी गई है। एसपी कार्यालय के दोनों प्रवेश द्वारों पर महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की तलाशी ली जा रही है तथा उनसे आने का उद्देश्य पूछा जा रहा है। जांच के बाद ही उन्हें प्रवेश की अनुमति दी जा रही है। इसके अलावा एसपी कार्यालय के गेट पर आगंतुक रजिस्टर की व्यवस्था की जा रही है, जिसमें आने-जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति का विवरण दर्ज किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक के प्रवेश वाले गेट से आम लोगों का आवागमन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। नई सुरक्षा व्यवस्था जिले के सभी थानों में भी लागू की गई है। थानों के मुख्य द्वारों पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो तलाशी के बाद ही लोगों को अंदर जाने दे रहे हैं।

साथ ही सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक दमकल विभाग की टीम को आवश्यक संसाधनों के साथ तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। सिविल ड्रेस में पुलिसकर्मी भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे। एसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह व्यवस्था लागू की गई है।

तीन दिन के भीतर नाले के आगे रखे अतिक्रमण को स्वयं हटा लें व्यापारी

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- औरंगाबाद नगर पंचायत कार्यालय के सभागार में मंगलवार की दोपहर व्यापारियों संग अतिक्रमण को लेकर बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर पंचायत के ईओ रोहित सिंह ने साफ कहा कि अतिक्रमण किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।व्यापारी नाले के आगे हो रहे अतिक्रमण को तीन दिन के भीतर स्वयं हटा ले, वरना बल पूर्वक अतिक्रमण को हटा दिया जाएगा।उन्होंने कहा कि मानसून से पहले नालों की सफाई की जानी अति आवश्यक है। इसलिए व्यापारी स्वयं पक्का अतिक्रमण हटा ले। उन्होंने अतिक्रमण की समस्या को देखते हुए व्यापारियों से वैंडिंग जोन बनाने की बात कही। व्यापारियों ने एक सुर में स्थानीय पुलिस पुलिस चौकी के सामने खाली पड़े कांजी हाउस की जमीन पर वेंडिंग जान बनाने का ईओ के समक्ष प्रस्ताव रखा। ईओ में मौके पर जाकर स्थलीय निरीक्षण करने की बात कही। प्राचीन नागेश्वर शिव मंदिर के पूर्व अध्यक्ष राजीव कौशल ने कहा कि बूढ़े बाबू के मेला मैदान की जमीन पर अवैध रूप से लोगों ने कब्जा कर रखा है।

इसकी जल्द से जल्द नापतोल कराकर मंदिर प्रशासन को जमीन सौंपी जाए। लेखपाल राजेश यादव ने एडीएम सदर से जमीन की पैमाइश के आदेश कराकर जल्द ही नापतोल का भरोसा दिलाया। बैठक में व्यापारी सुरक्षा फोरम के अध्यक्ष शिवकुमार गुप्ता,युवा अध्यक्ष नरेश वर्मा,बबलू अग्रवाल,नितिन सिंघल,दिनेश कौशिक जाने आलम,प्रवेश लोधी,मुकुल गर्ग,पवन अग्रवाल,ओमवीर सैनी,मुकेश अग्रवाल,रामवीर सिंह आदि मौजूद रहे।

गरीब कन्या के विवाह में श्री हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट ने भेंट किया गृहस्थी का सामान

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- हरिदास चैरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने ग्राम उस्मापुर निवासी गरीब परिवार की पुत्री खुशबू के विवाह पर उसके माता-पिता को गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट कर सामाजिक दायित्व निभाया। ट्रस्ट संस्थापक सोनपाल सिंह चौहान, जिलाध्यक्ष डी.सी. गुप्ता, मीडिया प्रभारी पवन कुमार फौजी, बाबा जयप्रकाश, सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट कर्नल जयराम शर्मा, अजय पाल फौजी, गिर्राज फौजी व सरिता गुप्ता सहित अन्य सदस्यों ने नवविवाहित जोड़े को शुभकामनाएं दीं। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि संस्था जरूरतमंद परिवारों की सहायता और सामूहिक विवाह जैसे सेवा कार्य नियमित रूप से करती है।

कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी पर फायर विभाग की छापेमारी, कई को नोटिस

बुलन्दशहर (सब का सपना):- यमुनापुरम और डीएवी तिराहे के आसपास स्थित कोचिंग सेंटरों व लाइब्रेरी में पुलिस और फायर विभाग ने संयुक्त छापेमारी की। जांच में कई लाइब्रेरी में बैठने, आपात निकासी व अग्निशमन के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले संस्थानों को नोटिस जारी किए जबकि कुछ संचालक ताला लगाकर फरार हो गए। आकाश इंस्टीट्यूट में फायर सुरक्षा व्यवस्था संतोषजनक पाई गई।

खालकपुर की पानी की टंकी बनी सफेद हाथी, ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव खालकपुर में बनी पानी की टंकी ग्रामीणों के लिए सफेद हाथी साबित हो रही है। टंकी बने काफी दिन हो गए, लेकिन पानी की समस्या जस की तस है। अभी तक न पूरे गांव में पाइपलाइन बिछी है और न ही घरों में कनेक्शन दिए गए हैं। टंकी बनने से ग्रामीणों को साफ पानी मिलने की आस जगी थी, लेकिन सप्लाई शुरू नहीं हो सकी। पाइपलाइन बिछाने का काम अधूरा पड़ा है। ऐसे में घरों तक पानी कैसे पहुंचे, यह बड़ा सवाल है। ग्रामीण मनोज कुमार का कहना है कि गांव वाले आज भी हैंडपंप पर निर्भर हैं। पानी की समस्या ढाक के तीन पात वाली है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी से मिलकर शिकायती पत्र सौंपेगा।

आज जेष्ठ का दशहरा, भगवानपुर गंगा घाट पर जुटेगी भारी भीड़

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- प्रत्येक वर्ष जून माह में जेष्ठ की दशमी को भगवानपुर गंगा घाट पर प्रत्येक वर्षों की भांति मेले का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी भगवानपुर गंगा घाट पर मेले का आयोजन आज बुधवार को किया जायेगा। जिसमें दिल्ली मेरठ हरियाणा पंजाब राजस्थान से श्रद्धालु जुटेंगे,जिससे बुगरासी से भगवानपुर तक आने जाने में भारी परेशानी होगी। चौकी प्रभारी बुगरासी नीटू मलिक का कहना है कि यातायात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की व्यवस्था की गई है,किसी भी तरह की कोई परेशानी नहीं होने दी जायेगी। उन्होंने बताया कि यातायात नियंत्रण के लिए ट्रैफिक पुलिस की एक टीम भी तैयार रहेगी। किसी भी कीमत पर श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी।

प्रॉपर्टी डीलर के बेटे पर फायरिंग करने वाले तीन पकड़े

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर लखावटी नहर पुल के पास से गांव रजवाना निवासी प्रॉपर्टी डीलर के बेटे गुलजार पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने के मामले में मुख्य आरोपी समेत तीन हमलावरों को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पुलिस ने हमलावरों के कब्जे से दो अवैध तमंचे,तीन जिंदा कारतूस,दो खाली खोखे,एक चाकू समेत ओरा कार बरामद की है। सीओ सिटी प्रखर पांडेय ने बताया कि औरंगाबाद थाना प्रभारी मोहम्मद असलम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि गांव रजवाना निवासी गुलजार पर ताबड़तोड़ फायरिंग करने वाले आरोपी कार द्वारा बाहर भागने की फिराक में लखावटी नहर पुल से होकर गुजर रहे है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपियों की धड़पकड़ के चलते रास्ते की नाकाबंदी कर दी।पुलिस ने कार समेत सभी आरोपियों की धड़पकड़ करते हुए उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस ने आरोपियों की तलाशी ली तो उनके कब्जे से दो तमंचे,कारतूस,अवैध चाकू मिला।पुलिस सभी आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों की पहचान ऋतिक पुत्र अजयपाल,प्रिंस पुत्र चमन ओर विनीत पुत्र पुत्र इंद्रपाल सिंह निवासी गांव रजवाना थाना औरंगाबाद के रूप में हुई है।पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी प्रिंस पर चार ओर विनीत ओर ऋतिक पर एक एक मुकदमा दर्ज है।पुलिस ने सभी का चालान कर दिया है।

ई रजिस्ट्री के खिलाफ दस्तावेज लेखक संघ ने 14 वे दिन भी अनिश्चत कालीन धरना प्रदर्शन रक्खा जारी

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- प्रदेश सरकार की ई रजिस्ट्री प्रणाली के विरुद्ध दस्तावेज लेखकों एवं अधिवक्ताओं मे रोष व्याप्त है दस्तावेज लेखकों एवं दी बार एसोसिएशन के संयुक्त बैनर तले दूसरे दिन भी भारी संख्या मे दस्तावेज लेखकों व अधिवक्ताओं ने उपनिबंधक (रजिस्ट्रार) कार्यालयों में धरना प्रदर्शन कर अनिश्चित कालीन हड़ताल की घोषणा की दस्तावेज लेखकों एवं अधिवक्ताओं ने प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। रजिस्ट्री कार्य के बहिष्कार के चलते रजिस्ट्री दफ्तर मे कामकाज ठप रहा। वही इसी दोरान खुर्जा रजिस्ट्री कार्यालय के सीनियर क्लर्क सर्वेश यादव को ज्ञापन सौपा गया। दस्तावेज लेखक एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज कुमार ,सचिव भूपेंद्र शर्मा एवं दी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ठाकु जयवीर सिंह, एवं महासचिव पीयूष बंसल ने सरकारें पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार दस्तावेज लेखकों, अधिवक्ताओं विरोधी नीतिया लागू कर रही है। ई रजिस्ट्री की प्रणाली दस्तावेज लेखकों वकीलों स्टाम्प विक्रेता मुन्शीओ को बेरोजगार की दल दल मे पहुंचाने का कार्य रही है, इसे किसी भी कीमत भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा गया कि उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों व तहसीलों मे इस व्यवस्था के खिलाफ आंदोलन चल रहा है। इस अवसर पर दस्तावेज लेखक संघ के सचिव भूपेंद्र शर्मा का कहना है कि प्रदेश के 75 जिलों में रजिस्ट्री कार्यालय पर हड़ताल चल रही है लेकिन सरकार सो रही है। उनका यह भी कहना है कि जब तक सरकार हमारी मांगे पूरी नहीं करेगी तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस धरना प्रदर्शन व अनिश्चित कालीन हड़ताल मे अनेक दस्तावेज लेखकों, अधिवक्ता, मुन्शी, स्टाम्प विक्रेता मौजूद रहे।

मनीष हत्याकांड का आरोपी शिवम सैनी पुलिस मुठभेड़ में घायल

जहांगीराबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- कोतवाली क्षेत्र में रविवार को बालाजी मंदिर रोड स्थित एक जगह पर शराब पार्टी के दौरान अपने ही साथी मनीष सैनी के सिर में गोली मारकर फरार हुए आरोपी शिवम सैनी को पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार कर लिया। पुलिस कार्रवाई में आरोपी के टांग में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसके पास से अवैध पिस्टल व एक खोखा समेत 4 जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार मोहल्ला अहानग्रान निवासी शिवम सैनी ने रविवार को शराब पार्टी के दौरान किसी बात को लेकर हुए विवाद में अपने साथी मनीष सैनी के सिर में गोली मार दी थी। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया था। घायल मनीष के परिजनों ने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर हंगामा किया था और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी। एसपी देहात के निर्देशन में स्वाट टीम समेत कुल 4 पुलिस की अलग अलग टीमें गिरफ्तारी के लिए लगाई थी। सोमवार देर रात 11 मील चौकी क्षेत्र में पुलिस और आरोपी शिवम के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार जवाबी कार्रवाई में आरोपी शिवम सैनी के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे दबोच लिया गया, घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध हथियार भी बरामद किया है। अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है तथा मामले की जांच जारी है। वहीं घायल शिवम सैनी का उपचार जारी है और उसकी स्थिति पर पुलिस लगातार नजर बनाए हुए है। मौके पर सीओ शशांक श्रीवास्तव, इंस्पेक्टर सुदेश कुमार, सब इंस्पेक्टर सौरभ, सब इंस्पेक्टर ऋषिपाल, कॉन्स्टेबल रामपाल शर्मा, कॉन्स्टेबल अंकुर, कॉन्स्टेबल दीपक आदि मौजूद रहें।

पूर्व पीएम के बेटे की कंपनी में साइबर सेंध, पुलिस ने 4.28 करोड़ रुपये कराए फ्रीज

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और जाने-माने उद्योगपति नरेश गुजराल की कंपनी से 7.68 करोड़ रुपये की हाई-प्रोफाइल साइबर ठगी के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को बड़ी कामयाबी मिली है। स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने पंजाब से नवनीत नाम के एक 'म्यूल' खाताधारक को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी आइएफएसओ विनीत कुमार ने बताया कि नवनीत को बीते रविवार को पंजाब से दबोचा गया, जहां वह एक निजी कंपनी में नौकरी करता था। उसने कमीशन के लालच में ठगी की रकम मंगाने के लिए एक व्यक्ति को अपना बचत बैंक खाता उपलब्ध कराया था। पुलिस जांच में पता चला है कि ठगों ने पैसों को छिपाने के लिए कई लेयर्स बनाई थीं। ठगी की पूरी रकम सबसे पहले चार 'म्यूल' बैंक खातों में मंगवाई गई थी। ये खाते महाराष्ट्र, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के हैं। चारों खातों में पैसे आते ही, कुछ ही मिनटों के भीतर इस रकम को दूसरी लेयर के करीब 40 से अधिक खातों में ट्रांसफर कर दिया गया। गिरफ्तार आरोपित नवनीत दूसरी लेयर का खाताधारक है, जिसके खाते में ठगी के पांच लाख रुपये ट्रांसफर किए गए थे। पुलिस अब पूरे मनी ट्रेल (पैसों के लेन-देन का रास्ता) को खंगाल रही है। अन्य खाताधारकों की पहचान कर उन्हें पकड़ने के लिए तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और महाराष्ट्र में लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारी का कहना है कि यह ठगी बेहद शातिर तरीके से अंजाम दी गई। साइबर अपराधियों ने नरेश गुजराल की कंपनी के फाइनेंस विभाग के एक कर्मचारी को वायरस वाली (मालिशियस) फाइल भेजकर उसका फोन हैक कर लिया। फोन हैक करने के बाद ठग ने कर्मचारी के फोन में सेव नरेश गुजराल के असली नंबर को अपने नंबर से बदल दिया। वाट्सएप व मैसेजिंग प्लेटफार्म पर नरेश गुजराल की डिस्प्ले पिक्चर (डीपी) लगा दी थी। ठग ने बिजनेस इमरजेंसी का हवाला देकर कर्मचारी को तुरंत आटीजीएल के जरिए पैसे ट्रांसफर करने को कहा गया। कर्मचारी ने इसे अपने 'बॉस' का आदेश समझा और 12 जून से 16 जून के बीच कुल 7.68 करोड़ रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए थे।

अपनों से बिछड़ों को मिलाने की मुहिम... दिल्ली पुलिस ने 24 घंटे में ढूंढी दिव्यांग महिला और 7 साल का बच्चा, 5 लोगों का सफल रेस्क्यू

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट ने दिल्ली से लापता चार किशोर और एक दिव्यांग महिला को दिल्ली और हरियाणा के अलग-अलग इलाकों से बरामद कर उन्हें उनके स्वजन से मिला दिया। इस आपरेशन की खास बात यह रही कि मानसिक रूप से अस्वस्थ एक महिला और एक सात साल के बच्चे को महज 24 घंटे के भीतर ही ढूंढ लिया गया। विशेष आयुक्त क्राइम ब्रांच एचजीएस धालीवाल के मुताबिक एसीपी सुरेश कुमार के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मुकेश कुमार व मनोज दहिया की टीम ने माडर्न सर्विलांस तकनीकी व मुखबिर तंत्र से मिली सूचना के आधार पर सभी को बरामद किया। पहले मामले में हजरत निजामुद्दीन में इलाके में दस व छह माह के दो सगे भाई 10 जून को घर के बाहर खेलते-खेलते रास्ता भटक गए और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच गए। स्टेशन पर अकेले घूमते देख पुलिस ने इन्हें सुरक्षा में लिया और पहाड़गंज के "साथी चिल्ड्रेन होम" में रखवा दि। क्राइम ब्रांच की टीम ने जांच-पड़ताल के बाद दोनों बच्चों को वहां से ढूंढ निकाला और कानूनी प्रक्रिया पूरी कर परिजनों को सौंप दिया। दूसरे मामले में स्वरूप नगर इलाके में मानसिक रूप से अस्वस्थ यह महिला 11 जून को बिना किसी को कुछ बताए अपनी बहन के घर के लिए निकल गई थी, लेकिन रास्ता भूल गई। एएसआइ अजय कुमार झा ने टेक्निकल सर्विलांस की मदद से महिला की लोकेशन निकाली। महिला पुलिसकर्मियों ने महिला के भाई को साथ लेकर मंदिर मार्ग बस स्टैंड पहुंची और महज 24 घंटे में महिला को बरामद कर लिया। वीडियो काल के जरिए थाने से सत्यापन कर महिला को घर भिजवा दिजा गया। तीसरी मामले में पढ़ाई की चाहत में घर छोड़ने वाला 15 साल का किशोर हरियाणा से बरामद। 13 जून को लापता हुए इस बच्चे के पिता की मौत 10 साल पहले हो चुकी है। वह अपने ताऊ के साथ रहता था। 10वीं पास करने के बाद वह आगे पढ़ना चाहता था, लेकिन ताऊ पढ़ाई का खर्च उठाने को तैयार नहीं थे। इसी गुस्से में वह घर से भागकर हरियाणा के सोनीपत चला गया। बवाना थाने के इंस्पेक्टर मनोज दहिया की टीम ने उसे सोनीपत से ढूंढ निकाला, उसकी काउंसलिंग की और सुरक्षित परिवार के हवाले कर दिया। चौथे मामले में बिहार से इलाज कराने आया सात साल का मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चा बरामद कर लिया गया। मानसिक रूप से अस्वस्थ बच्चे को उसके माता-पिता इलाज के लिए बिहार से दिल्ली लाए थे। 20 जून को वह घर के बाहर से गायब हो गया। एएसआइ अजय कुमार झा को एक वाट्सएप ग्रुप से इसकी जानकारी मिली। उन्होंने तुरंत 'जिनपेट' पर सर्च किया तो एक बच्चे का हुलिया मैच हो गया।

अधिशासी अभियंता को जर्जर विद्युत व्यवस्था, भ्रष्टाचार एवं ख.ए. पलराझाल के स्थानांतरण के संबंध में सौंपा ज्ञापन

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन राष्ट्र पुत्र के जिला प्रभारी शिव कुमार और दर्जनों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ता गणों ने नगर जीटी रोड स्थित बिजली घर नंबर चार पर स्थित अधिशासी अभियंता कार्यालय पर अधिशासी अभियंता को ज्ञापन सोपा। जिसमें जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए तत्काल निराकरण की मांग करती है। क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार, किसानों से दुर्व्यवहार, लाइनमैनों से अवैध वसूली एवं कार्यों में घोर लापरवाही के कारण ख.ए. पलराझाल को तत्काल प्रभाव से हटाकर विभागीय जांच कराई जाए। खुर्जा ग्रामीण क्षेत्र की 70% HT/LT लाइनें जर्जर हैं। आए दिन तार टूटने से जन-धन की हानि हो रही है। इन्हें युद्धस्तर पर बदलकर केबल/नई लाइन डाली जाए। धान की रोपाई शुरू हो चुकी है। कृषि फीडर पर रोस्टर के अनुसार 18 घंटे थ्री-फेस बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। 25 KVA के स्थान पर 63/100 KVA के ट्रांसफार्मर लगाए जाएं। जले ट्रांसफार्मर 24 घंटे में बदलने की गारंटी दी जाए। मीटर रीडर द्वारा बिना रीडिंग के मनमाने बिल भेजे जा रहे हैं। कैंप लगाकर मौके पर बिल संशोधन किया जाए। बिजली घर पर आने वाले किसानों से कर्मचारियों द्वारा अभद्रता की जाती है। सभी को सख्त निर्देश दिए जाएं कि किसान से सम्मानजनक व्यवहार करें। नए ट्यूबवेल कनेक्शन एवं लोड वृद्धि की फाइलें 6-6 महीने से लंबित हैं। 15 दिन में निस्तारण हो। ट्रांसफार्मर फुंकने पर किसानों से अवैध वसूली बंद हो। विभाग अपने खर्च पर बदले। यदि 7 दिन के अंदर उक्त मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो इडव राष्ट्र पुत्र जिला प्रभारी शिव कुमार राघव के नेतृत्व में बिजली घर पर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी विभाग की होगी। इस अवसर पर दर्जनों की संख्या में भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रपुत्र के कार्यकर्ता शामिल रहे '

देशभर में साइबर ठगी का जाल बिछाने वाले गिरोह का भंडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

द्वारका स्पेशल स्टाफ की बड़ी कार्रवाई, 4.23 लाख की रकम बरामद और फ्रीज, 15 राज्यों की शिकायतों से जुड़े मिले बैंक खाते

नई दिल्ली। साइबर अपराधियों को बैंक खाते उपलब्ध कराकर करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी को अंजाम दिलाने वाले एक बड़े नेटवर्क का द्वारका जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने पदार्फाश किया है। इस कार्रवाई में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनके कब्जे से लाखों रुपये की नकदी, एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक और मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। डीसीपी द्वारका आईपीएस कुशल पाल सिंह के निर्देशन और एसीपी ऑपरेशन सेल सुभाष मलिक की निगरानी में इंस्पेक्टर कमलेश कुमार की टीम ने इस पूरे साइबर फ्रॉड मॉड्यूल का खुलासा किया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी साइबर ठगों को कमीशन के बदले "म्यूल बैंक अकाउंट" उपलब्ध कराते थे, जिनमें ठगी की रकम जमा कर देशभर में ट्रांसफर की जाती थी। पुलिस ने उत्तम नगर के हस्तसाल रोड स्थित एक मकान पर छापा मारकर मुख्य आरोपी कपिल कुमार (22) को गिरफ्तार किया। उसके पास से 8 चेकबुक, 5 पासबुक और 5 एटीएम कार्ड बरामद किए गए। पूछताछ में मिले सुरागों के आधार पर पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्य शिशुपाल और पुरु कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2.19 लाख नकद बरामद किए, जबकि 2.04 लाख से अधिक की राशि बैंक खाते में फ्रीज करवाई गई। कुल मिलाकर 4.23 लाख की रकम बरामद अथवा सुरक्षित कर ली गई है। इसके अलावा 9 एटीएम कार्ड, 8 रबर स्टैंप, 4 मोबाइल फोन और कई बैंकिंग दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जांच में सामने आया है कि इन खातों के खिलाफ राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल (NCRP) पर बिहार, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल समेत विभिन्न राज्यों से 15 शिकायतें दर्ज हैं। इन शिकायतों में 50 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी की रकम का लिंक मिला है। पुलिस के मुताबिक आरोपी बेरोजगार और आर्थिक रूप से कमजोर युवकों को नौकरी और आसान कमाई का लालच देकर उनके नाम पर बैंक खाते खुलवाते थे। बाद में इन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम को छिपाने और इधर-उधर ट्रांसफर करने में किया जाता था। द्वारका पुलिस अब उन साइबर ठगों की तलाश में जुटी है जो इन खातों का इस्तेमाल कर देशभर में लोगों को ठगी का शिकार बना रहे थे। मामले में आगे की जांच जारी है।

दिल्ली में बस एक कॉल पर होगी नालों की सफाई, सीएम रेखा गुप्ता का सख्त निर्देश

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को जलभराव मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर नालों की डी-सिल्टिंग का कार्य कर रही है। अब तक 3.4 मिलियन टन से अधिक गाद निकाली जा चुकी है। साथ ही 311 एप के माध्यम से नागरिकों को भी इस अभियान का भागीदार बनाया गया है, ताकि किसी भी नाले की सफाई से जुड़ी शिकायत पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। सफाई नहीं हो रही तो करें शिकायत उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक को अपने आसपास नालों की सफाई को लेकर कोई शिकायत हो तो इस एप पर शिकायत कर सकते हैं। पिछले वर्ष नालों की सही तरह से सफाई होने के कारण मिंटो ब्रिज नहीं डूबा था। इस वर्ष भी मिंटो ब्रिज में जल भराव नहीं होगा अन्य स्थानों का भी ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पहल स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर मानसून प्रबंधन वाली दिल्ली के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दिल्ली-एनसीआर में मौसम ने ली करवट, धूल भरी आंधी के बाद झमाझम बारिश; गर्मी और उमस से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में करीब एक घंटे तक चली तेज धूल भरी आंधी के बाद राहत भरी बारिश शुरू हो गई है। प्रचंड गर्मी और उमस से परेशान लोगों को इस बारिश ने बड़ी राहत दी है। दिल्ली में धूल भरी आंधी और तेज हवाएं, वर्षा के लिए रेड अलर्ट मंगलवार दोपहर दिल्ली के कुछ हिस्सों में धूल भरी आंधी और तेज हवाएं चलीं, जिसके चलते मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में पूरे शहर में भीषण आंधी, बिजली गिरने और वर्षा के लिए रेड अलर्ट जारी किया। मौसम विभाग ने कहा कि कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है, जबकि अगले कुछ घंटों में दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में बिजली चमकने और 80-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं के साथ तेज आंधी आने की प्रबल संभावना है। मौसम विभाग ने एक नाउकास्ट चेतावनी (स्थानीय अल्पकालिक अलर्ट) में दिल्ली के अधिकांश स्थानों को रेड अलर्ट के तहत रखा है, जो गंभीर मौसम की स्थिति की संभावना को दशार्ता है। मौसम विभाग ने जिला अधिकारियों और आपदा प्रबंधन अधिकारियों को चेतावनी भेज दी है और उन्हें आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी है। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और अधिकतम तापमान लगभग 40 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। सड़कों पर धूल का गुबार साफ होते ही ठंडी फुहारें गिरने लगीं, जिससे मौसम सुहाना हो गया। लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई। कई जगहों पर युवा और बच्चे सड़कों पर खुलकर भीगते और झूमते नजर आए। कुछ लोग मोबाइल पर वीडियो बनाते हुए इस मौसम का लुत्फ उठा रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार हल्की से मध्यम बारिश अगले कुछ घंटों तक जारी रह सकती है, जिससे गर्मी से काफी राहत मिलने की उम्मीद है। वहीं कुछ देर पहले दिल्ली-एनसीआर में अचानक तेज आंधी आई थी। नोएडा से लेकर गुरुग्राम तक सड़कों पर घना धूल का गुबार उड़ रहा था, जिससे आसमान धुंधला नजर आ रहा था और विजिबिलिटी बेहद कम हो गई थी। तेज हवाओं के जोरदार थपेड़ों से खुले में लगी दुकानों के सामान उड़ने लगे थे। राहगीर धूल से बचने के लिए मुंह ढककर भागने लगे थे। दुकानदारों को भारी परेशानी हो रही थी। कई दुकानदारों ने जल्दबाजी में अपना सामान समेट लिया और दुकानें बंद करनी पड़ीं। मौसम विभाग का पूवार्नुमान बता दें कि बादलों की आवाजाही और तीखी धूप के बीच दिल्ली में आज उमस भरी गर्मी परेशान करेगी। आलम यह हो रहा है कि बिना एसी कहीं राहत नहीं मिल पा रही। आज तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने के आसार हैं। दूसरी तरफ दिल्ली की वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में ही चल रही है। मंगलवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 39 से 40 डिग्री के आसपास रह सकता है। दिन में बादलों की आंशिक आवाजाही लगी रहेगी। तेज धूप भी निकलेगी। उधर मंगलवार को सुबह साढ़े नौ बजे दिल्ली का एक्यूआइ 145 दर्ज किया गया। इसे 'मध्यम' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा संतोषजनक से मध्यम श्रेणी में चल रही है। पूवार्नुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

जानकारी

छोटे बच्चों के लिए खतरनाक हो सकता है देर रात तक जागना

दिन भर सोना और रात को जागना कई बच्चों की रुटीन बन जाती है। ऐसे बहुत कम बच्चे होते हैं, जो रात आराम से सोकर बिताएं। बच्चों को सुलाना मां-बाप के लिए चैलेंज होता है। आइए हम आपको इसे लेकर कुछ टिप्स देते हैं। नवजात शिशु की नींद बहुत हल्की होती है। थोड़ी सी खिटपिट की आवाज हुई नहीं कि बच्चे उठ जाते हैं। ऐसे उठने के बाद उन्हें फिर से सुलाना मुश्किल हो जाता है। छोटे बच्चे नींद को लेकर हमेशा ही जिद्दी होते हैं। उन्हें हमेशा अपने मन से ही सोना और जागना पसंद होता है। कुछ शिशु तो रात में देर तक जागते रहते हैं, जबकि मां-बाप सोना चाहते हैं। इस तरह के जिद्दी बच्चों को सुलाना मुश्किल काम होता है। कई बार मां-बाप को समझ नहीं आता कि उन्हें कैसे सुलाएं। हालांकि ऐसी दिक्कत पहली बार मां-बाप बने लोगों को होती है। अगर आप भी अपने बच्चे की ऐसी आदत से परेशान हैं, तो हम आपको उनको सुलाने के 6 टिप्स देते हैं।

सुलाकर कुछ देर बच्चे के पास ही सोएं

बच्चे को सुलाते वक्त उसे सुलाकर कुछ देर उसके पास ही सोएं, ताकि उसे लगे कि आप उसके आस-पास ही हैं। फिर उसके पास एक तकिया या कोई कपड़ा रख दें। इसके अलावा अगर आप उसे पालने में सुला रहें हैं, तो ध्यान रखें कि पालने में किसी भी चीज की सुगंध न आ रही हो। यह सुगंध अच्छा हो बुरा, इससे आपके बच्चे की नींद बीच में ही टूट सकती है। आधी नींद में उठने की वजह से वह और चिड़चिड़ा हो सकता है और दोबारा उसे सुलाने में आपको परेशानी हो सकती है।

बच्चे की सेहत का ख्याल रखें

कई बार बच्चे की तबीयत खराब होती है और आपको पता नहीं चलता कि उसे क्या हुआ है। ऐसे में अगर वो उठे तो उसे पूरी तरह चेक करें कि उसे क्या हुआ है। कई बार पेट में एसिडिटी की वजह से बच्चा सो नहीं पाता। इसलिए बच्चे को दूध पिलाने या खिलाने-पिलाने के बाद कंधे पर रखकर उसे डकार जरूर दिलवाएं। जिससे कि सोते वक्त उसे एसिडिटी जैसी समस्या नहीं होगी।

अच्छे से खिला-पिला कर सुलाएं

डॉक्टर्स की मानें तो शिशु अगर भूखा होता है तो ढंग से सोता नहीं है। शिशु भूख की वजह से या तो सो नहीं पाते हैं या आधी नींद से ही उठ जाते हैं। ऐसे में मां को चाहिए कि वह बच्चे का पेट हमेशा भरा रखे। ताकि सोते वक्त बच्चा भूखे पेट न सोए। इसके बाद भी वह उठ जाए तो उसे फिर से दूध पिलाकर सुलाने की कोशिश करिए।

शिशु की मालिश जरूर करें

शिशु की मालिश करना बेहद जरूरी चीज है। इससे बच्चे की बॉडी रिलैक्स फील करती है। अगर नहाने के तुरंत बाद शिशु की मालिश की जाए तो उन्हें उसके बाद तुरंत अच्छी नींद आ जाती है। बच्चों को नहलाते वक्त या फिर बाद में कभी भी खिलौने न दें। इससे बच्चे का मन डाइवर्ट होगा, जिस वजह से बच्चा सोने में आनाकानी करता है और सोता नहीं।

लाइट्स को डिम रखें

बच्चों को सुलाने से पहले कुछ ऐसा माहौल तैयार करें, इससे उन्हें भी लगता है कि अब सोना है। फिर बच्चे को लेकर लेट जाएं और उसे हल्की थपकी मार कर सुलाएं। डिम लाइट में बच्चों की आंखें चमकती नहीं है इसलिए वह शांत हो जाते हैं। ऐसे में आपने अक्सर देखा होगा कि बच्चा अगर सोया हो और अचानक से लाइट जलाएं तो वह जग जाता है। इसलिए बच्चों को सुलाते वक्त लाइटिंग का ख्याल रखें। साथ ही आप अगर उसे कुछ गाकर सुला सके तो उसे और अच्छी नींद आएगी।

बच्चों को सुलाने का वक्त तय करें

यह काम एक दिन में तो नहीं होगा पर अगर आप धीरे-धीरे एक ही वक्त पर बच्चे को सुलाएंगे, तो उन्हें उस वक्त पर ही सोने की आदत हो जाएगी। इस तरह वो रोज उसी वक्त पर आसानी से सोने लगेंगे। इसी तरह आप शुरू से ही बच्चों में सोने की आदत का विकास कर सकते हैं।

अध्ययन

40 की उम्र से पहले बढ़ गया है वजन तो हो जाएं सावधान हो सकता है कैंसर का खतरा

Cancer Risk मी-कैन नाम के एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि अगर आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है।

एक अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन में इस बात का खुलासा हुआ है कि यदि आपका वजन 40 की उम्र से पहले बढ़ने लगता है तो आपको कैंसर का खतरा ज्यादा होता है। इस अध्ययन में यह पता लगाने की कोशिश की गई क्या व्यस्कों (40 की उम्र से ज्यादा) में, जिनका वजन जरूरत से ज्यादा (25 से ज्यादा बीएमआई) या मोटापे (30 से ज्यादा बीएमआई) का शिकार हैं उनमें कई प्रकार के कैंसर का खतरा बढ़ जाता है।

बर्जेन यूनिवर्सिटी के डिपार्टमेंट ऑफ ग्लोबल पब्लिक हेल्थ एंड प्राइमरी केयर के प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि 'मोटापा कई कैंसर के जोखिम कारक के रूप में जाना जाता है। इस अध्ययन में हमने जरूरत से ज्यादा वजन की डिग्री, समय और अवधि व कैंसर जोखिम के मोटापे से संबंध पर ध्यान केंद्रित किया।'

प्रोफेसर टोन जार्ज ने कहा कि इस अध्ययन में शोधकर्ताओ ने दो या उससे अधिक माप वाले वयस्कों को शामिल किया और संभावित रूप से कैंसर निदान से पहले उन्हें कम से कम तीन साल तक अलग-अलग रखा। शोधकर्ताओं ने सभी व्यक्तियों की औसतन लगभग 18 वर्षों तक गतिविधियों पर नजर रखी।

बढ़ जाती है इस तरह के कैंसर की संभावना

- अंतर्गर्भाशयकला कैंसर (Endometrial Cancer) 70 फीसदी।
- पुरुषों में गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर (renal-cell cancer)58 फीसदी।
- पुरुषों में पेट के कैंसर की संभावना 29 फीसदी।
- मोटापे से संबंधित सभी प्रकार के कैंसर की संभावना पुरुषों और महिलाओं में 15 फीसदी तक बढ़ जाती है।

अध्ययन के निष्कर्षों से सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे का शिकार व्यस्कों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

इस अध्ययन में नार्वे, स्वीडन और ऑस्ट्रिया के प्रतिभागी शामिल हुए थे। मी-कैन नाम के इस अध्ययन में 2,20,000 व्यस्कों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया गया। लंबाई और वजन सहित स्वास्थ्य जांच जानकारियां नेशनल कैंसर रजिस्ट्री के डेटा से संबंधित थी। जांच के दौरान 27,881 व्यस्कों में कैंसर का निदान पाया गया, जिसमें से 35 फीसदी यानी की 9,761 मोटापे से संबंधित थे।

मोटापे से ग्रस्त प्रतिभागियों में सामान्य बीएमआई वाले प्रतिभागियों की तुलना में (30 से ज्यादा बीएमआई) पहली और दूसरी स्वास्थ्य जांच में उनमें मोटापे से संबंधित कैंसर विकसित होने का खतरा अधिक पाया गया।

जार्ज ने कहा कि 'कैंसर का जोखिम पुरुषों में 64 फीसदी और महिलाओं में 48 फीसदी पाया गया।' अध्ययन के नतीजों में सामने आया कि अतिरिक्त भार और मोटापे से ग्रस्त लोगों में रजोनिवृति के बाद स्तन कैंसर, अंतर्गर्भाशयकला, गुर्दे की कोशिकाओं का कैंसर और पेट के कैंसर के जोखिम की संभावना अधिक पाई गई।

जार्ज का कहना है कि हमारा मुख्य संदेश कैंसर के जोखिम को करने के लिए एक जरूरी जन स्वास्थ्य रणनीति बनाकर वजन बढ़ने से रोकना है।

सेहत

दांतों की समस्याएं बच्चों के संपूर्ण स्वास्थ्य पर डालती है बुरा असर

यह हैं बचाव के तरीके

यह सच है कि जो खाना हम खाते हैं वह हमारे शरीर, हड्डियों, दांतों व मसूढ़ों को पोषण प्रदान करता है तथा संक्रमणों एवं रोगों से लड़ने और ऊतकों को नया करने में मददगार होता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा 2018 में जारी की गई फैक्टशीट ऑन डाइट एंड ओरल हैल्थ के मुताबिक अस्वास्थ्यकर खुराक और खराब पोषण दांतों व जबड़ों के विकास को कुप्रभावित करता है और इसका दुष्प्रभाव जीवन के बाद के वर्षों में भी रहता है। जीवन के आरंभिक वर्षों में जो आहार बच्चों को मिलता है उससे उनके शारीरिक एवं संज्ञानात्मक विकास में मदद मिलती है। परिणास्वरूप इससे उनके ओरल एवं संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी असर पड़ता है। विशेषज्ञों के अनुसार असंतुलित आहार में बहुत सारे कार्बोहाइड्रेट, शुगर एवं स्टार्च होता है जिससे दांतों में कैविटी और दंत क्षय जैसी मुंह की बीमारियां पनपती हैं, जिससे बच्चों के समग्र स्वास्थ्य पर और ज्यादा दुष्प्रभाव होता है।

डेंटल की डॉक्टर प्रियंका माथुर का कहना है कि आहार और पोषण का मुंह पर बहुत अहम असर होता है। अत्यधिक शुगर वाले खाद्य पदार्थों से ऐसिड बनता है जो दांतों के इनामल पर असर करता है और जिससे दंत क्षय होता है। दांतों की समस्याएं न सिर्फ ओरल कैविटी को प्रभावित करती हैं बल्कि ये बच्चों के संपूर्ण विकास पर भी व्यापक असर डालती हैं।

मुंह के स्वास्थ्य की स्थिति, खानपान की आदत, पोषण का स्तर और सामान्य स्वास्थ्य के बीच में काफी पेचीदा संबंध है और इन्हें परस्पर जोने वाले कई कारक होते हैं। अगर मौखिक स्वास्थ्य ठीक नहीं है तो उससे भोजन के विकल्प चुनने में बदलाव आता है और खानपान पर नकारात्मक असर पता है, जिससे पोषण का स्तर घटता है और चलकर क्रोनिक सिस्टेमिक रोगों की स्थिति बनती है। नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफॉरमेशन, यूएसए के मुताबिक मौखिक एवं पोषण संबंधी समस्याओं को पहचानना और उनका उपचार करना स्वास्थ्य एवं जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए बेहद अहम है।

डेंटल ऑफिसर डॉक्टर विमल अरोरा कहते हैं कि मौखिक स्वास्थ्य से संपूर्ण स्वास्थ्य एवं कल्याण का रास्ता खुलता है। यह न केवल बच्चे के विकास को बल्कि उसके आत्म विश्वास को भी प्रभावित करता है। बच्चों के दांत खराब होंगे तो वे खुद को कमतर समझेंगे, शर्मिंदा और नाखुश होंगे। संतुलित व पौष्टिक आहार सर्वश्रेष्ठ तरीका है बढ़िया मौखिक स्वास्थ्य पाने और भविष्य में होने वाली परेशानियों को रोकने का।

सेहतमंद दांतों के लिए जरूरी पोषक तत्व

- सेहतमंद दांतों के लिए कम उम्र से ही स्वास्थ्यकर पोषण बेहद अहम है। माता-पिता को अपने बच्चों की खानपान की आदतों पर ध्यान देना चाहिए और खानपान की अच्छी आदतें उन्हें सिखानी चाहिए। कैल्शियम से भरपूर चीजें (जैसे लो-फैट मिल्क, दही, ची, बादाम), हरी पत्तेदार सब्जियां व अन्य ऐसे ही स्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थ दांतों व हड्डियों को मजबूत करते हैं इसलिए इन्हें बच्चों के आहार में बढ़ावा दिया जाना चाहिए। अंडे, मछली, हल्का मांस व डेयरी उत्पाद फॉस्फोरस से भरपूर होते हैं जो कि मजबूत दातों के लिए लाभकारी होता है।
- सही मात्रा में फ्लोराइड होने से दंत क्षय की रोकथाम में मदद मिलती है, यद्यपि फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से दांतों में धब्बे आ जाते हैं जो शर्मिंदगी की वजह बनते हैं।
- इसी प्रकार अन्य विटामिनों एवं खनिजों की कमी दांतों एवं हड्डियों दोनों के ही विकास पर असर करती है और उनका रूप बिगड़ जाता है।
- कोमल और चिपकने वाले खाद्य पदार्थ मसूढ़ों की बीमारियों की शुरुआत करते हैं, इनकी वजह से बाद में चलकर मसूड़ों से खून निकलने लगता है। खराब खानपान की वजह से बचपन में ही दांत खराब हो जाते हैं, चबाने का उकसाव ठीक से नहीं होता जिससे जबड़ा छोटा रह जाता है और बेडौल दांत विकसित होते हैं। बच्चों को ऐसा भोजना दीजिए जिसे उन्हें अच्छे से चबाना पड़े इससे उनके दांते बेडौल नहीं होंगे और उनके मसूढ़ों, हड्डियों व जबड़ों का भी अच्छी तरह से विकास होगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ) — आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-3-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेगे। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभांक-5-7९-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा) — आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। संतान की उन्नति के योग है। शुभांक-2-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — व्यर्थ की भाग-दौड़ से बचें। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। पारिवारिक विवाद टाले। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहे। अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। शुभांक-4-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। बनते हुए कार्यों में बांधा आएगी। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। रोजगार में तरक्की मिलेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। शत्रुओं की पराजय होगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — आत्मीय जनों से मिलन होगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। शुभांक-6-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-2-4-5

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — शांतिपूर्वक नित्य कार्य करे। संतान की प्रगति से संतोष होगा। व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 3927

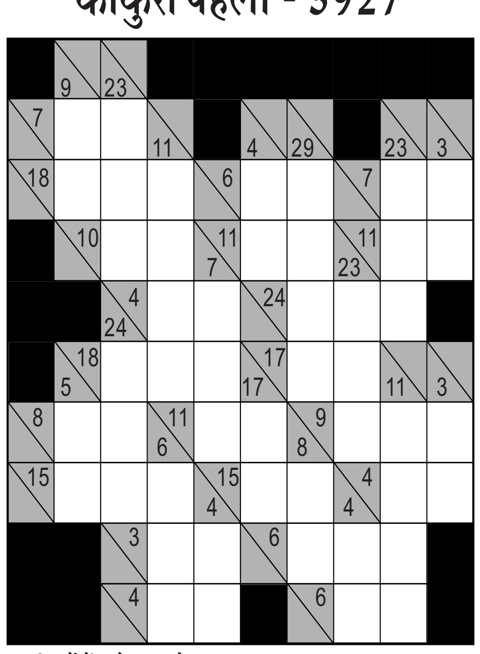

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

11/7 → 1 2 3 5
↑ 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 3926 का हल

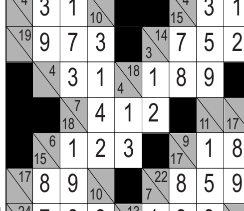

हंसी के फूव्वारें

एक सखी-मेरे पति प्रतिदिन सैकड़ों लोगों को भोजन करवाते हैं.

दूसरी- हां बहन, ऐसे देवता स्वरूप लोग होते ही कितने हैं. वैसे वे करते क्या हैं?

पहली सहेली-वे होटल में वेटर हैं.

□ □ □

प्रबन्धक-फिलहाल मैं तुम्हें हजार रुपये महीना दे सकता हूँ. छह महीने बाद बारह सौ दूंगा.

प्रत्याशी-ठीक है मैं छह महीने बाद ही आ जाऊंगा.

□ □ □

मां ने दूध में डबलरोटी खाने को दी. थोड़ी देर में बालक रोने लगा तब मां ने पूछा,'क्यों क्या हुआ? रो क्यों रहे हो?'

बालक ने रोते हुए कहा,'सारा दूध तो डबलरोटी पी गई मैं क्या पिऊं?'

□ □ □

अपने पिता के साथ चिड़ियाघर देखते हुए बच्चा शेर के पिंजरे के सामने आकर सोचने लगा. बाप ने कारण पूछा तो बच्चे ने कहा,'कुछ नहीं पिताजी,मैं सोच रहा था कि अगर शेर ने पिंजरे से निकलकर आपको खा लिया तो मैं कौन से नम्बर की बस में घर जाऊंगा.'

□ □ □

पत्नी-तुमने अपना वादा तोड़ दिया.

नेता-कोई बात नहीं जल्दी ही नया वादा कर लूंगा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3927

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, संजीवकुमार, सचिन, हेमा, राखी, पूनम ढिल्लों की फिल्म-३
३. 'दिल मेरा कहता है' गीत वाली सुनील, हरीश, सोनाली की फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की फिल्म-३
७. 'नीले गगन के तले' गीत वाली सुनील दत्त, मुमताज की फिल्म-४
९. 'जुबलीकुमार' राजेंद्रकुमार की पहली फिल्म जिसकी नायिका गीता बाली थी-३
११. अशोककुमार, नादिरा की 'काहे जादू किया मुझको' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुपर हिट फिल्म 'शोले' में धर्मेन्द्र के किरदार का नाम क्या था-२
१५. कुमार गौरव, शरनाज की 'जिंदगी कब तुम को' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'आजा आजा मैं हूँ प्यार' गीत वाली शम्मीकपूर, आशा की फिल्म-३,३
१८. सतीश कौल, सरिता की बी. आर. इशारा निर्देशित १९७४ की एक फिल्म-३
१९. 'चोरी चोरी कोई आए' गीत वाली फारूख शेख, पूनम का फिल्म-२
२०. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या कर दिया' गीत वाली फिल्म-३
२२. 'दुनिया में कितना' गीत वाली राजेश खन्ना, स्मिता पाटिल की फिल्म-३
२४. मनोज बाजपेयी, उर्मिला की जोड़ी वाली रामगोपाल वर्मा की एक फिल्म-२
२५. 'आधा है चंद्रमा रात आधी' गीत वाली महीपाल, संध्या की फिल्म-४
२६. विनोद मेहरा, मौसमी की 'तेरे नैनों के मैं दीप' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'हम' में नायिका किमी काटकर के किरदार का नाम क्या था-२
२८. बलराज साहनी, लीला की 'हाये रे वो दिन क्यूं ना' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१.'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
२. आमिर खान, ग्रेसी सिंह की फिल्म-३
३. 'एहसान मेरे दिल पे तुम्हारा है' गीत वाली सुनीलदत्त, साधना की फिल्म-३
४. गीफा अवार्ड्स में किस को फिल्म 'रंग दे बसंती' के लिये सर्वश्रेष्ठ संगीतकार का पुरस्कार मिला था-४
५. ओमपुरी, शबाना आजमी, माधुरी की सुधीर मिश्रा निर्देशित फिल्म-३
८. बी. आर. इशारा निर्देशित विजय अरोड़ा, रीना राय की १९९२ की एक फिल्म-४
१०. जिमी, उदय चोपड़ा, इरफान, नम्रता की 'राहें लहरा के हम से' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'रंग और नूर की बारात किसे' गीत वाली सुनीलदत्त, मीना की फिल्म-३
१४. मिथुन, सारिका की 'साथी है हम जनमों के' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल लूटने वाले जादूगर' गीत वाली रंजन, चित्रा जयश्री की फिल्म-३
१७. मिथुन, चंकी, ऋतुपर्णा, सोमी की 'जब मैंने तेरा' गीत वाली फिल्म-३,२
१९. फिल्म 'बंदिवी' की नायिका कौन थी-३
२१. अजय देवगन, ट्विंकल खन्न की 'बेईमान पिया रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिरोज खान, मुमताज की फिल्म-४
२३. विनोद खन्ना, आमिर, सैफ, अश्विनी भावे, रवीना, नीलम की 'हम बंजारे दिल नहीं देते' गीत वाली फिल्म-४
२६. जितेन निर्देशित मिथुन चक्रवर्ती, राखी, नीता मेहता की १९८६ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3926

प	र	दे	स		शा	ली	मा	र	
हे		व	र	दा	न		सु		ही
ली	ड	र		न		ओ	म	का	र
	र		शि	व	रा	म		पों	
जु		दा	वा		ज		फ	रे	ब
बै	रा	ग		चा	ह	त		ट	
दा			शि		ठ		दा		अ
	स	त्य	का	म		श	मा		न
दौ	ड़		र	जा	मु	रा	द		क
	क	र्ज		ल		बी		जू	ही

सूडोकु -3927

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3926 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 3927

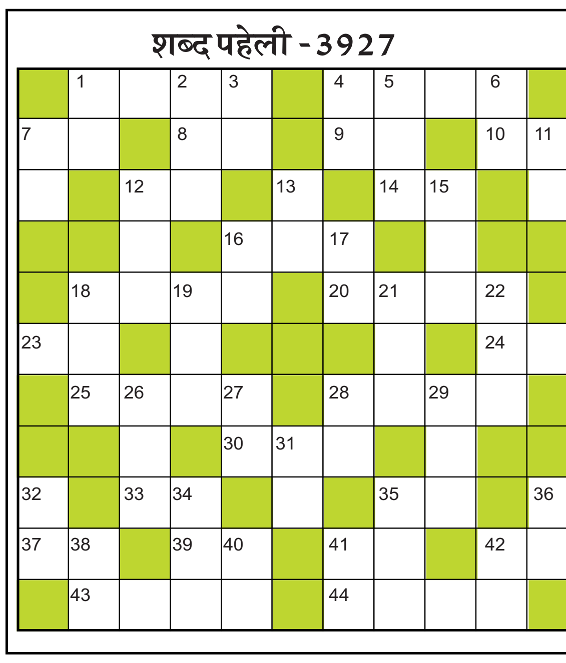

बाएँ से दाएँ

1.सुरक्षित-4
4.माहुर,आलता-4
7.कार्य,काज-2
8.रांझे की प्रेमिका-2
9.स्याही,कालिख-2
10.भूमि,धरा-2
12.ठाठ-बाट-2
14.अधर,होठ-2
16.विशाल,श्रेष्ठ-3
18.आदेश,आज्ञा-4
20.कृष्ण भक्त एक मुस्लिम कवि-4
23.काका की पत्नी-2
24.कामदेव की पत्नी-2
25.जनवासा,हरम-4
28.हमसफर-4
30.कपड़े धोने वाला-3
33.आनंद,मौज-2
35.संदेह-2
37.सरूर,खुमार-2
39.मृत्यु का देवता-2
41.पुण्य का विलोम-2
42.परछाई,छाया-2
43.शिव,रुद्र,शंकर-4
44.सराबोर,सना हुआ-4

ऊपर से नीचे

1.समान,एक जैसा-2
2.बारीक-3
3.भीगा हुआ-2
4.मेरा (संस्कृत-2)
5.पाना,प्राप्त-3
6.घोड़ागाड़ी,गाड़ी-2
7. कहवा-2
11.उद्देश्य-2
12.गजल लिखनेवाला-3
13.उस जगह-2
15.बारिश,वर्षा-3
16.जी,चित-2
17.मर्द,आदमी-2
18.दरवेश-3
19.मध्य प्रदेश का एक क्षेत्र-3
21.साजन,प्रेमी-3
22.मुलायम-3
26.कायदा,कानून-3
27.महोदय (अंग्रेजी)-2
28.अधिकार-2
29.खटखटाना-3
31.जगत,दुनिया-2
32.प्राण,जीव-2
34.स्वाद-3
35.प्रतिज्ञा-3
36.शरीर,तन-2
38.संध्या,सांझ-2
40.अपशिष्ट पदार्थ-2
41.मस्तूल,नौका पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
42.संग,संगत-2

शब्द पहेली -3926 का हल

	अ	नु	भ	व		शा	का	हा	र	
अ		क्ता		ल		मि		नि		अ
ह	म		का	या	प	ल	ट		का	का
म		रा		का		हो		श		र
क	हा	नी	का	र		ना	म	क	र	ण
	द								सो	
अ	सा	म	यि	क		आ	ज	मा	ई	श
चा		स्त		म		रा		न		रा
न	ल		नी	ल	क	म	ल		खौ	फ
क		भ		ना		दे		क		त
	को	ला	ह	ल		ह	र	जा	ई	

बॉक्स ऑफिस प्रेशर पर बोले अजय देवगन

अजय देवगन की आने वाली कॉमेडी फिल्म 'धमाल 4' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर लॉन्च के मौके पर अजय देवगन ने बताया कि आखिर फिल्म रिलीज के समय बॉक्स ऑफिस का कितना दबाव होता है। इसके साथ ही अजय ने यह भी बताया कि बॉलीवुड फिल्मों के सीक्वल इतने सफल क्यों होते हैं?

अजय देवगन ने माना कि फिल्म रिलीज होने से पहले हर किसी को थोड़ा डर और दबाव महसूस होता है। उन्होंने कहा, 'जब भी कोई फिल्म रिलीज होने वाली होती है, तो प्रेशर होना बिल्कुल सामान्य है। इससे हर एक्टर गुजरता है। हम बहुत मेहनत से फिल्म बनाते हैं और हमेशा यही उम्मीद रहती है कि दर्शकों को यह पसंद आए। इसी उम्मीद की वजह से रिलीज के वक्त दिल में थोड़ी घबराहट रहती है।'

सीक्वल फिल्में क्यों होती हैं हिट

'गोलमाल' और 'दृश्यम' जैसी कई सुपरहिट सीक्वल फिल्मों में काम कर चुके अजय देवगन ने बताया कि सीक्वल के हिट होने का राज क्या है। अजय ने कहा कि सीक्वल फिल्में तभी कामयाब होती हैं, जब दर्शकों को पिछली फिल्म के किरदार बहुत पसंद आए हों। एक बार जब दर्शक किरदारों से जुड़ाव महसूस करने लगते हैं, तो उसी कहानी को आगे बढ़ाना आसान और मजेदार हो जाता है।

क्या है फिल्म की कहानी

अजय देवगन इस फिल्म में 'गुड्डू' नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो उन्होंने 'धमाल 3' में भी निभाया था। फिल्म में उनकी जोड़ी ईशा गुप्ता के साथ दिखेगी। इस बार भी फिल्म की कहानी एक मजेदार खजाने की खोज पर आधारित है, जहां सभी किरदार सोने के पहाड़ को ढूंढ रहे हैं।

कब रिलीज होगी 'धमाल 4'

अक्षय कुमार की 'वेलकम टू द जंगल' और आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा' के साथ टकराव से बचते हुए अब 'धमाल 4' 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

शिल्पा शिंदे ने टीवी सीरियल निर्माताओं को कहा माफिया

शिल्पा शिंदे ने एक बार फिर टीवी इंडस्ट्री में आर्टिस्ट्स के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में बात की है। एक्ट्रेस ने टेलीविजन इंडस्ट्री के प्रोड्यूसर्स की आलोचना की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ प्रोड्यूसर्स व्हाइट कॉलर माफिया की तरह काम करते हैं। इंस्टाग्राम पेज पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए शिल्पा शिंदे ने निर्माताओं को खूब भला-बुरा कहा है।

प्रोड्यूसर्स को लताड़ा

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में शिल्पा शिंदे ने कहा, 'जैसा कि आपने देखा आर्टिस्ट एसोसिएशन खुद आर्टिस्ट्स के साथ खड़ी नहीं होती है। टीवी इंडस्ट्री में ये प्रोड्यूसर्स माफिया की तरह काम करते हैं। वे व्हाइट-कॉलर माफिया हैं। मैं हमेशा से यह कहती रही हूं। जो प्रोड्यूसर्स उन्हें सपोर्ट नहीं करते हैं, उन्हें धमकी भी दी जाती है। कहा जाता है कि अगर कल तुम्हें कुछ हो गया, तो हम तुम्हें सपोर्ट नहीं करेंगे।' सपोर्ट की तो बात ही छोड़िए। वे कहते हैं कि हम तुम्हारा काम रोक देंगे। हम तुम्हारा अभी का शो नहीं चलने देंगे; तुम्हें हमारा साथ देना होगा।'

अपनी आपबीती भी सुनाई

वह वीडियो में आगे कहती हैं, 'उन्होंने मेरा साथ भी नहीं दिया। आज भी जब उनके पास मेरे साथ खड़े होने का मौका था, तब भी वे नहीं आए। मुझे बोलने की कोई जरूरत नहीं थी। किसी को पता भी नहीं कि उस समय मैं किस दौर से गुजरी थी। लोग मुझ पर झूठा इल्जाम लगा रहे हैं कि मैं यह सिर्फ पैसे के लिए कर रही हूं। आज 10 साल बाद भी, वह प्रोड्यूसर टीवी शो और फिल्में बना रहे हैं। किसी में भी अपने लिए इंसाफ की लड़ाई लड़ने की हिम्मत नहीं है। और फिर लोग सुसाइड जैसे बड़े कदम उठा लेते हैं।'

क्या था शिल्पा शिंदे का पूरा मामला?

शिल्पा शिंदे ने बीते दिनों कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के पॉडकास्ट पर टेलीविजन शो 'भाबीजी घर पर हैं' के प्रोड्यूसर्स के साथ अपने झगड़े के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि शो छोड़ने के बाद और पेंडिंग पेमेंट्स को लेकर हुए झगड़े के बीच उन्होंने प्रोड्यूसर संजय कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी। शिलपा शिंदे ने यह भी कहा कि बाद में मामला सुलझ गया और उन्हें उनका बकाया मिल गया। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर शिल्पा की खूब ट्रोलिंग हुई, टीवी इंडस्ट्री से हिना खान भी उनके खिलाफ बातें कर रही हैं। कई लोगों को मानना है कि ऐसे झूठे केस की वजह से ही असल पीड़ित महिलाओं को न्याय नहीं मिलता है।

'मां इंटी बंगारम' में खुद सामंथा ने किए हैं सारे एक्शन सीन्स

साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' को लेकर काफी चर्चा में हैं। हाल ही में चेन्नई में हुए एक प्री-रिलीज इवेंट में समांथा ने फिल्म के एक्शन सीन को लेकर दिलचस्प बातें साझा कीं। उन्होंने बताया कि इस फिल्म में एक्शन बिल्कुल रियल है- ना कोई स्लो मोशन, ना ही उड़ने वाले शॉट्स और ना ही ज्यादा ड्रामा। समांथा ने कहा, 'फिल्म में जो भी फाइट सीन हैं, वो बिल्कुल असली लगेंगे। मुझे भी शूटिंग के दौरान कई बार चोट लगी, यहां तक कि खून भी बहा। लेकिन मैंने सारे एक्शन सीन खुद किए हैं, इसलिए ये इतने असली लगते हैं और लोगों को पसंद आते हैं।'

फिल्म का निर्देशन नंदिनी रेड्डी ने किया है। फिल्म 'मां इंटी बंगारम' एक फैमिली एक्शन-कॉमेडी ड्रामा है। इस फिल्म को सामंथा के पति और निर्देशक राज निदिमोरु ने बनाया है। इस फिल्म में दिगनाथ और गुलशन देवैया अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अलावा फिल्म में श्री मुखी, गौतमी, आनंद और लक्ष्मी भी सपोर्टिंग रोल में हैं।

ऑस्कर विजेता कंपनी के साथ काम करेंगे ऋतिक रोशन

मशहूर हॉलीवुड प्रोडक्शन और मैनेजमेंट कंपनी ने बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन को अपने आने वाले प्रोजेक्ट के लिए साइन कर लिया है। यह कंपनी 'द रेवेनेंट' और 'स्पॉटलाइट' जैसी ऑस्कर जीतने वाली फिल्में बनाने के लिए जानी जाती है।

क्या हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आएंगे ऋतिक

ऋतिक ने 'एनोनिमस कंटेंट' कंपनी के साथ एक डील साइन कर ली है। इस डील के बाद से ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं कि ऋतिक जल्द ही किसी बड़े हॉलीवुड प्रोजेक्ट में नजर आ सकते हैं, हालांकि अभी तक किसी फिल्म की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

ऋतिक रोशन का अब तक का सफर

ऋतिक को बॉलीवुड का 'ग्रीक गॉड' कहा जाता है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना प्यार है' से की थी। उन्होंने 'वॉर', 'कृष', 'जोधा अकबर' और 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' जैसी कई शानदार फिल्मों में काम किया है।

ऋतिक का वर्कफ्रंट

ऋतिक रोशन बहुप्रतीक्षित सुपरहीरो फ्रेंचाइजी 'कृष 4' में नजर आएंगे, जिसकी प्री-प्रोडक्शन और निर्देशन की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इसके अलावा ऋतिक निर्माता रूप में अपनी पहली वेब सीरीज 'स्टॉर्म' भी बना रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय कलाकार

ऋतिक अकेले नहीं हैं, बल्कि कई भारतीय कलाकार भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा इस समय हॉलीवुड में सबसे सफल भारतीय अभिनेत्री हैं। 'क्वांटिको' सीरियल से शुरुआत करने के बाद उन्होंने 'बेवॉच' और 'हेड्स ऑफ स्टेट' जैसी कई हॉलीवुड फिल्मों में काम किया। अब वह जल्द ही सात साल बाद एसएस राजामौली की फिल्म से भारतीय सिनेमा में वापसी करेंगी। प्रियंका के अलावा आलिया भट्ट ने गैल गैडोट के साथ फिल्म 'हार्ट ऑफ स्टोन' से अपना हॉलीवुड डेब्यू किया। प्रियंका, आलिया और दीपिका पादुकोण के अलावा भी कई बॉलीवुड स्टार्स ने हॉलीवुड फिल्मों में काम किया है।

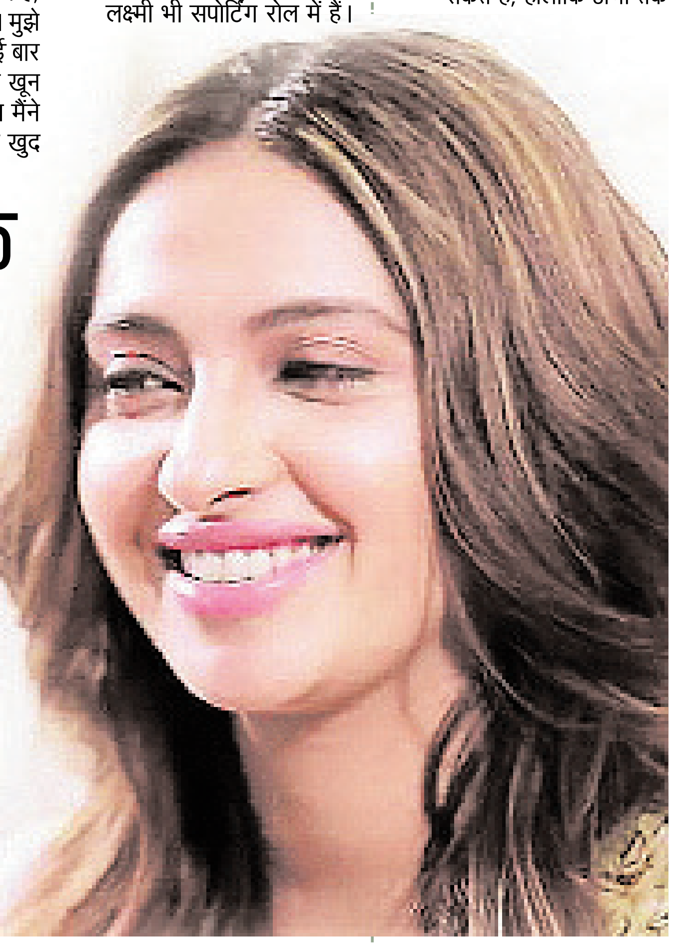

आकांक्षा रंजन कपूर 'ग्राम चिकित्सालय' के नए सीजन में अपने किरदार को लेकर बात की

अभिनेत्री आकांक्षा रंजन कपूर अपने वेब शो 'ग्राम चिकित्सालय' के दूसरे सीजन की रिलीज को लेकर काफी उत्साहित हैं। उन्होंने शो के नए सीजन में अपने किरदार के सफर को लेकर खुलकर बात की। साथ ही बताया कि इस बार क्या खास है। अभिनेत्री ने बताया कि दूसरे सीजन में उनका किरदार गार्गी पहले से अधिक जिम्मेदारियों का सामना करता नजर आएगा। साथ ही, उसे कई कठिन और जटिल फैसले भी लेने पड़ेंगे, जो उसके किरदार के साथ कहानी को और भी दिलचस्प बनाएंगे। इस बारे में बात करते हुए आकांक्षा रंजन कपूर ने कहा, 'डॉ. गार्गी का किरदार निभाने का सबसे संतोषजनक पहलू यह रहा कि दर्शकों ने उससे गहरा जुड़ाव महसूस किया और भरपूर प्यार दिया। पहले सीजन में गार्गी को एक ईमानदार, सरल और जमीन से जुड़ी हुई महिला के रूप में दिखाया गया था और मुझे लगता है कि दर्शकों ने उसकी इसी सच्चाई से खुद को जोड़ा। यह देखकर खुशी होती है कि लोगों का यह प्यार और अपनापन दूसरे सीजन में उसके किरदार के और बड़े सफर का हिस्सा बना है।' उन्होंने आगे कहा, 'दूसरे सीजन में गार्गी पहले से कहीं अधिक जिम्मेदारियों का सामना करती नजर आएगी। उसे कई जटिल फैसले लेने पड़ते हैं और ऐसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है, जो उसके सिद्धांतों और विश्वासों की वास्तविक परीक्षा लेती हैं। एक कलाकार के तौर पर ऐसे शो का हिस्सा बनना बेहद संतोषजनक है, जो गहराई वाली कहानियां प्रस्तुत करता है और अपने किरदारों को विकसित होने का पूरा अवसर देता है।' 'ग्राम चिकित्सालय' के पहले सीजन को झारखंड के भाटकांडी गांव में ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था के यथार्थवादी और संवेदनशील चित्रण के लिए काफी सराहना मिली थी। पहले सीजन में आकांक्षा रंजन कपूर ने स्थानीय डॉक्टर डॉ. गार्गी के किरदार को प्रभावशाली ढंग से निभाया। शो की कहानी का बड़ा हिस्सा अब उनके किरदार के इर्द-गिर्द घूमता नजर आएगा, जिससे आकांक्षा रंजन कपूर की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। ग्राम चिकित्सालय का दूसरा सीजन 23 जून से ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगा।

प्रियंका चाहर ने 'नागिन 7' के सफर को कहा अलविदा

अलौकिक (सुपरनैचुरल) शो 'नागिन' के सातवें सीजन के समाप्त होने के बाद प्रियंका चाहर चौधरी ने शो को अलविदा कहते हुए एक भावुक संदेश साझा किया। इस अवसर पर उन्हें टीवी जगत की 'जारिना' कही जाने वाली एकता कपूर से खूब सराहना मिली। एकता ने कहा कि वह प्रियंका के साथ फिर से काम करने का बेसब्री से इंतजार कर रही हैं। इस सफर को 'अविस्मरणीय यात्रा' करार देते हुए प्रियंका ने सबसे पहले इंस्टाग्राम पर शूटिंग के आखिरी दिन की एक झलक साझा की और लिखा, 'और इसी के साथ, एक अविस्मरणीय यात्रा का अंत हो रहा है... नागिन 7।'

अभिनेत्री ने कहा कि इस शो ने उन्हें केवल यादें ही नहीं, बल्कि उससे कहीं अधिक दिया है। उन्होंने लिखा, 'इस शो ने मुझे सिर्फ यादों से कहीं ज्यादा दिया है- इसने मुझे खूबसूरत लोग, जीवनभर के रिश्ते और मेरे शिवजी के साथ और भी गहरा जुड़ाव दिया। महादेव से इतनी गहराई से जुड़ी कहानी का हिस्सा बनने से मेरा विश्वास और मजबूत हुआ है, और मैं हर दिन अपने जीवन में उनके प्रेम और उपस्थिति को महसूस करती हूं। यह रिश्ता हमेशा के लिए है और अटूट है।' उन्होंने उन पर भरोसा करने और यह शानदार अवसर देने के लिए एकता कपूर का धन्यवाद किया।

प्रियंका ने आगे कहा, 'मैं हमेशा आभारी रहूंगी। इस अद्भुत यात्रा को जीने का मंच देने के लिए कलर्स टीवी और बालाजी टेलीफिल्मस लिमिटेड का दिल से धन्यवाद। मेरे सह कलाकारों, हमारी शानदार टीम और पर्दे के पीछे काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, जिन्होंने इस सफर को इतना खास बनाया।' उन्होंने लिखा, 'और दर्शकों, आपके असीम प्यार और नागिन 7 को शुरुआत से लेकर अंत तक नंबर-1 शो बनाने के लिए धन्यवाद। यह प्यार मेरे लिए सब कुछ है। शो समाप्त हो सकता है, लेकिन इसकी यादें हमेशा बनी रहेंगी... और एक बात निश्चित है- नागिन की विरासत हमेशा जारी रहेगी। हमेशा आभारी। हमेशा धन्य। हर हर महादेव।'

प्रियंका चाहर चौधरी की इस पोस्ट पर एकता कपूर की नजर पड़ी, जिन्होंने उनकी जमकर प्रशंसा की। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'सबसे खूबसूरत नागिन के लिए, तुम्हारे साथ काम करना बेहद सुखद अनुभव रहा। तुम मेहनती, खूबसूरत, आकर्षक और बहुत सहयोगी हो। भविष्य में फिर से तुम्हारे साथ काम करने का इंतजार रहेगा। ढेर सारा प्यार प्रियंका, तुम्हें दोबारा हमारे सेट पर देखने का इंतजार है।' 'नागिन' एक सुपरनैचुरल फिक्शन टीवी शो है, जिसकी कहानी रूप बदलने वाले नाग-नागिनों के इर्द-गिर्द घूमती है। इसका पहला सीजन वर्ष 2015 में शुरू हुआ था।

प्रियंका की बात करें तो उन्हें 'उड़ारियां' में तेजो कौर संधू का किरदार निभाने के बाद बड़ी लोकप्रियता मिली। 'बिग बॉस 16' में भी उनके व्यक्तित्व को दर्शकों ने खूब पसंद किया और वह शो की दूसरी रनर-अप रहीं। वर्ष 2016 में उन्होंने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया, जिनमें 'हंजू', 'मैं बेवफा' और 'ऑनलाइन' शामिल हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।